CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 207 ता. 11 फरवरी 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सुरजेवाला का हमला- BJP के राज में आस्था के नाम पर भी हुआ घोटाला

नैनीताल: कांग्रेस के स्टार प्रचारक एवं कांग्रेस के महासचिव तथा मीडिया प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने उत्तराखंड की भाजपा सरकार पर हमला बोला और उसे घोटालेबाज की संज्ञा दी। सुरजेवाला हल्द्वानी में कांग्रेस पार्टीके मुख्यालय स्वराज आश्रम में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर भी हमला बोला और उन्हें खनन प्रेमी मुख्यमंत्री कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने शासनकाल में उन्होंने खनन माफियाओं को संरक्षण दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि विकास का छलावा करने वाली भाजपा सरकार ने 5 साल कुछ नहीं किया है। उन्होंने आरोप

लगाया कि भाजपा सरकार ने आस्था के नाम पर भी घोटाला किया है। उनका इशारा तथाकथित हरिद्वार महाकुंभ को लेकर सामने आये घोटाले से था। आरोप लगाया कि जो सरकार आस्था के नाम पर घोटाला कर सकती है, वह जनता का क्या भला करेगी। वहीं कांग्रेस के महासचिव ने पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत पर भी हमला बोला और कहा कि घोटाले का आरोप लगाने वाले पत्रकार को ही जेल भेज दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कुंभ के दौरान कोविड महामारी को लेकर सामने आयी सरकार की नाकामी ने देश में देवभूमि की किरकिरी हुई है। उन्होंने दावा किया कि इस बार कांग्रेस की सरकार बनेगी और सरकार घोटालेबाजों को जेल की हवा खिलाएगी। बता दें कि सुरेजवाला दस फरवरी को हल्द्वानी और कालाढूंगी में प्रचार करेंगे और पार्टी प्रत्याशी सुमित हृदयेश और महेश शर्मा के लिये वोट मांगेंगे।

अपनी ही सीट पर फंसे नवजोत सिद्धू ? बार-बार क्यों जा रहे वैष्णो देवी, मजीठिया ने बढ़ाई मुश्किलें

अमृतसर। कांग्रेस की ओर से सीएम फेस के लिए रेस में रहे नवजोत सिंह सिद्धू अब अपनी ही सीट पर फंसे दिख रहे हैं। अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव लड़ रहे नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर से वैष्णो देवी की यात्रा पर निकल गए हैं। एक सप्ताह के भीतर यह वैष्णो देवी की उनकी दूसरी यात्रा है। 20 फरवरी को मतदान होना है और उससे पहले उनके वैष्णो देवी जाने को लेकर कहा जा रहा है कि हिंदू समुदाय को लुभाने के लिए वह ऐसा कर रहे हैं। दरअसल अकाली दल से यहां बिक्रम सिंह मजीठिया मुकाबले में उतरे हैं और कहा जा रहा है कि वह कड़ी टक्कर दे रहे हैं। अमृतसर ईस्ट सीट हिंदू बहुल है और सिद्धू के लिए चुनावी समर उतना आसान नहीं है, जितना समझा जा रहा था।

एक तरफ नवजोत सिंह सिद्धू वैष्णो देवी की यात्रा पर निकले हैं तो उनकी पत्नी नवजोत कौर ने विधानसभा क्षेत्र में मोर्चा संभाल लिया है और पति के लिए

> **इस बीच नवजोत सिंह सिद्धू ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह खुद को अमृतसर के लिए समर्पित बताते दिख रहे हैं। इस वीडियो में अरुण जेटली के लिए अपनी अमृतसर लोकसभा सीट छूटने का दर्द भी जताते दिख रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि अकाली दल की ही साजिश थी कि वह अमृतसर से दूर चले जाएं। गौरतलब है कि अमृतसर पूर्व सीट पंजाब चुनाव में बेहद दिलचस्प हो गई है। बिक्रम सिंह मजीठिया ने सिद्धू की चुनौती को स्वीकार करते हुए इसी सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। कहा यह भी जा रहा है कि मजीठिया को अन्य दलों की ओर से भी अंदरखाने समर्थन किया जा रहा है ताकि सिद्धू को हराया जा सके।**

वोट मांग रही हैं। वह यह कहते हुए वोट मांग रही हैं कि सिद्धू के पास पूरे राज्य की जिम्मेदारी है, इसलिए मैं आप लोगों के बीच हूं। उन्होंने दावा किया कि कई लोगों ने शिकायत की है कि मजीठिया के लोगों ने उनको धमकी दी है। इससे पहले 2 फरवरी को भी सिद्धू वैष्णो देवी पहुंचे थे। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, इस सीट पर हिंदुओं की अच्छी खासी आबादी है। हर वोट मायने रख रहा है। शायद यही वजह है कि वह हिंदू समुदाय को लुभाने के लिए भी वैष्णो देवी जा रहे हैं। मजीठिया के साथ उनका मुकाबला कड़ा हो चुका है।

इस बीच नवजोत सिंह सिद्धू ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह खुद को अमृतसर के लिए समर्पित बताते दिख रहे हैं। इस वीडियो में अरुण जेटली के लिए अपनी अमृतसर लोकसभा सीट छूटने का दर्द भी जताते दिख रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि अकाली दल की ही साजिश थी कि वह अमृतसर से दूर चले जाएं। गौरतलब है कि अमृतसर पूर्व सीट पंजाब चुनाव में बेहद दिलचस्प हो गई है। बिक्रम सिंह मजीठिया ने सिद्धू की चुनौती को स्वीकार करते हुए इसी सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। कहा यह भी जा रहा है कि मजीठिया को अन्य दलों की ओर से भी अंदरखाने समर्थन किया जा रहा है ताकि सिद्धू को हराया जा सके।

ठगे गए निवेशकों ने न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट के जज को भेजे वाट्सएप मैसेज

● **जस्टिस कौल और जस्टिस एमएम सुंद्रेश की पीठ हीरा गोल्ड मामले में तेलंगाना और सीरियस फाड इंवेस्टीगेशन एजेंसी (एसएफआइओ) द्वारा दाखिल अपील पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले में कंपनी निवेशकों से 5600 करोड़ रुपये की राशि एकत्रित करने की आरोपित है।**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संजय किशन कौल ने वीरवार को कहा कि हीरा गोल्ड स्कीम में कथित रूप से ठगे गए निवेशक न्याय के लिए उन्हें वाट्सएप मैसेज भेज रहे हैं। जस्टिस कौल ने उनसे इस तरह के मैसेज भेजने से परहेज करने को कहा। जस्टिस कौल और जस्टिस एमएम सुंद्रेश की पीठ हीरा गोल्ड मामले में तेलंगाना और सीरियस फ्राड इंवेस्टीगेशन एजेंसी (एसएफआइओ) द्वारा दाखिल अपील पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले में कंपनी निवेशकों से 5,600 करोड़ रुपये की राशि एकत्रित करने की आरोपित है। कंपनी पर गोल्ड सेविंग स्कीमों में निवेश का लालच देकर निवेशकों को ठगने का आरोप है। जस्टिस कौल ने कहा कि न्याय मांगने वाले कुछ मैसेज उस वाट्सएप ग्रुप में भेजे गए हैं जिसमें वह भी सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि वह वाट्सएप पर उस मामले से संबंधित मैसेज प्राप्त नहीं करना चाहते जिसकी वह सुनवाई कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि न्याय मांगने के लिए वाट्सएप मैसेज भेजने वाले निवेशकों के प्रति हम चिंता व्यक्त करते हैं। हम उनके प्रयासों को भी

सराहते हैं, लेकिन यह न्याय मांगने का तरीका नहीं है। हम उनसे आगे से इससे बचने का आह्वान करते हैं।

सीबीएसई कक्षा 10, 12 के दूसरे टर्म की परीक्षा डेट घोषित, जल्द जारी होगा एग्जाम टाइम-टेबल

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10, 12 के दूसरे टर्म की परीक्षा डेट घोषित कर दी है। सीबीएसई की ओर से बुधवार को जारी नोटिस में कहा गया है कि टर्म-2 की परीक्षाएं 26 अप्रैल 2022 से शुरू होंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि टर्म-2 एग्जाम का टाइम-टेबल भी जल्द जारी कर दिया जाएगा। सीबीएसई ने बताया कि टर्म-2 सैद्धांतिक परीक्षाएं 26 अप्रैल से शुरू की जाएंगी। ये परीक्षाएं बोर्ड की वेबसाइट cbse.nic.in पर दिए गए सैंपल पेपर्स के अनुसार ही होंगी। यानी टर्म-2 का पेपर पैटर्न सैम्पल पेपर्स के अनुसार ही होगा। परीक्षाएं कोविड-19 निर्देशों का पालन करते हुए ऑफलाइन आयोजित

कराई जाएंगी। सीबीएसई टर्म-2 की परीक्षाओं में छात्रों को निर्धारित किए गए परीक्षा केंद्रों में जाकर परीक्षा देना होगा, जैसा कि पिछले वर्षों में बोर्ड परीक्षाएं हुई हैं। सीबीएसई कक्षा 10, 12 की डेट शीट भी जल्द ही बोर्ड की वेबसाइट cbse.nic.in पर जारी की जाएगी। सीबीएसई बोर्ड 12वीं की परीक्षाओं में हर साल करीब 13 लाख छात्र-छात्राएं भाग लेते हैं। वहीं सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में भी देशभर के करीब 18 लाख स्टूडेंट्स शामिल होते हैं। 2021 में कोरोना के कारण परीक्षाएं रद्द कर छात्रों को विशेष इवैल्युशन क्राइटेरिया (आंतरिक मूल्यांकन पद्धति) के आधार पर छात्रों को पास किया किया था। महामारी संकट को देखते हुए सीबीएसई ने 2022 के लिए दो टर्म में परीक्षाएं आयोजित कराने का निर्णय लिया था। सीबीएसई टर्म 1 की परीक्षाएं दिसंबर 2021 में पूरी हो चुकी हैं और अब टर्म 2 की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख उच्च न्यायालय ने 14 फरवरी से फीजिकल सुनवाई का आदेश दिया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय ने वीरवार को 14 फरवरी से अदालतों में फीजिकल सुनवाई फिर से शुरू करने का आदेश दिया है। 30 जनवरी के आदेश को पुनर्जीवित करते हुए, मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल ने 14 फरवरी से फीजिकल रूप से सुनवाई की अनुमति दी, इस प्रतिबंध के साथ कि किसी भी अदालत के कमरे में एक समय में दस से अधिक अधिवक्ता मौजूद नहीं रहेंगे। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में जिला और अधीनस्थ न्यायालय और न्यायाधिकरण भी फीजिकल रूप से काम करना शुरू कर देंगे। आदेश में कहा गया है, जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के समक्ष अदालत कक्षों में अधिवक्ताओं का प्रवेश एक निश्चित समय में केवल पांच अधिवक्ताओं तक ही सीमित होगा। कोर्ट परिसर में आने वाले सभी लोगों के लिए मास्क पहनना, सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल और सुरक्षित दूरी बनाए रखने सहित कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल अनिवार्य हैं। केवल वे अधिवक्ता जिनके मामले अदालतों में सूचीबद्ध हैं और जिन्हें पूरी तरह से टीका लगाया गया है, उन्हें कोर्ट रूम में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

न्यायालय कक्षों में वादियों, क्लर्कों और अधिवक्ताओं के एजेंटों का प्रवेश फिलहाल प्रतिबंधित रहेगा। गवाह (ओं) और आरोपी व्यक्ति (ओं) को केवल जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि वे पूरी तरह से टीका लगाए गए हों और कोविड -19 संक्रमण की रोकथाम से संबंधित एसओपी के सख्त अनुपालन के अधीन हों। जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में प्रवेश की अनुमति केवल न्यायालय परिसर के बाहरी द्वार से पूरी तरह से टीकाकरण वाले व्यक्तियों को दी जाएगी। आदेश में आगे कहा गया, जहां तक संभव हो, न्यायिक हिरासत रिमांड केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही दिया जाएगा। संशोधित दिशानिर्देश 14 फरवरी, 2022 से लागू होंगे।

कश्मीर में लौट रहे अच्छे दिन ?

मोदी सरकार बोली- 610 प्रवासियों को लौटाई जमीन, 3 हजार को सरकारी नौकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर में फैले आतंकवाद के बाद कम से कम 610 कश्मीरी प्रवासियों को उनकी संपत्ति वापस दिलाई गई है। गृह राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि 1,080 करोड़ रुपये खर्च करके प्रधानमंत्री विकास पैकेज-2015 के तहत कश्मीरी प्रवासियों के लिए 3,000 सरकारी नौकरियों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर सरकार ने पैकेज के तहत 1,739 प्रवासियों को नियुक्त किया है और इसके अलावा 1,098 प्रवासियों का चयन किया गया है।

एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पिछले 5 सालों में 610 प्रवासी आवेदकों की जमीनें उन्हें वापस दी गई हैं। मंत्रालय द्वारा दिए गए जवाब में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर प्रवासी अचल संपत्ति एक्ट 1997, के तहत जम्मू और कश्मीर में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) प्रवासियों की अचल संपत्तियों के कानूनी संरक्षक हैं। डीएम को ऐसी संपत्तियों के संरक्षण के लिए सभी कदम उठाने का अधिकार है।

छह हजार घरों का निर्माण

गृहराज्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने कश्मीरी प्रवासियों को घाटी में वापस लाने के लिए कई उपाय किए हैं। इन प्रयासों में कश्मीर घाटी में कश्मीरी प्रवासियों को घर उपलब्ध कराने के लिए 920 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर छह हजार घरों का निर्माण कराना भी शामिल है।

अब एम्स में बिना कोरोना जांच भर्ती किए जाएंगे मरीज, प्रबंधन ने विभागों से मांगी यह जानकारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली में भर्ती होने वाले मरीजों को अब कोरोना जांच करवाने की जरूरत नहीं होगी। एम्स ने भर्ती होने वाले मरीजों और सर्जरी करवाने से पहले नियमित कोरोना जांच पर रोक लगा दी है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डीके शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आईसीएमआर के दिशानिर्देश के अनुसार यह रोक लगाई गई है। इस फैसले से उन मरीजों को राहत मिलेगी, जिन्हें भर्ती होने या सर्जरी करवाने से पहले कोरोना जांच के लिए भटकना पड़ता था। एम्स प्रबंधन से मिली

जानकारी के अनुसार कोरोना को देखते हुए सभी विभागों से यह जानकारी मांगी गई है कि एक दिन में वे कितने नए और कितने पुराने मरीजों को चिकित्सीय सलाह दे सकते हैं। विभागवार जानकारी एकत्रित होने के बाद प्रबंधन की बैठक होगी और उसके आधार पर आगे तय होगा कि ओपीडी में कितनी संख्या के साथ चिकित्सीय परामर्श जारी रहेगा। कोरोना की तीसरी लहर के बाद सात जनवरी से एम्स में गैर कोराना मरीजों को भर्ती करने पर रोक थी। साथ ही ऑपरेशन भी टालने पड़े थे। बीते सप्ताह एम्स प्रबंधन ने इन निर्देशों में बदलाव करते हुए भर्ती से रोक हटा ली,

● **एम्स ने भर्ती होने वाले मरीजों और सर्जरी करवाने से पहले नियमित कोरोना जांच पर रोक लगा दी है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर डीके शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आईसीएमआर के दिशानिर्देश के अनुसार यह रोक लगाई गई है। इस फैसले से उन मरीजों को राहत मिलेगी,**

लेकिन इस दौरान ओपीडी के संचालन पर लगी शर्तों को फिलहाल वापस नहीं लिया है।

अन्य अस्पताल भी जारी कर सकते हैं आदेश- आईसीएमआर के आदेश का हवाला देकर जल्द ही दिल्ली के अन्य अस्पताल भी भर्ती करने या सर्जरी से पहले रूटीन कोविड जांच बंद कर सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि सफदरजंग, डॉ. राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिंग सहित अन्य अस्पताल भी इस दिशा में विचार कर रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली सरकार के लोकनायक, जीटीबी, जीबी पंत सहित अन्य अस्पतालों में भी यह नियम लागू हो सकता है।

सार समाचार

राजनीति के अखाड़े में दम लगाएंगे पहलवान द ग्रेट खली, भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। नेताओं का एक दूसरे दल में जाना भी जारी है। इन सबके बीच आज भाजपा में पहलवान द ग्रेट खली शामिल हुए हैं। इसके साथ ही द ग्रेट खली राजनीति में अपने करियर की शुरूआत कर रहे हैं। भाजपा के दिल्ली स्थित कार्यालय में द ग्रेट खली ने पार्टी की सदस्यता ली। इसके साथ ही वह औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। द ग्रेट खली अंतरराष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त पहलवान हैं। द ग्रेट खली का पूरा नाम दिलीप सिंह राणा है। द ग्रेट खली को केंद्रिय मंत्री जितेंद्र सिंह और भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने पार्टी में शामिल कराया। दिल्ली ऑफिस में भाजपा नेताओं ने पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने के बाद पहलवान द ग्रेट खली ने कहा कि भाजपा की नीति भारत को आगे बढ़ाने की है, इससे प्रभावित होकर मैं पार्टी में शामिल हुआ हूं। भाजपा जहां भी मेरी ड्यूटी लगाएगी मैं कोशिश करूंगा कि खरा उतरू।

दिल्ली सरकार का बड़ा तोहफा, डीजेबी के 700 संविदा कर्मचारियों की नौकरी स्थायी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 700 संविदा कर्मचारियों की नौकरी को स्थायी कर दिया गया है और इस फैसले की गूंज देश के अन्य हिस्सों में भी सुनाई देगी। स्थायी बनाए गए डीजेबी कर्मियों को प्रमाण पत्र देने के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा, 'यह एक मिथक है कि 'कच्चे' (संविदा) कर्मी को 'पक्का' (स्थायी) नहीं बनाया जाना चाहिए, क्योंकि इससे वे आलसी हो जाते हैं और अधिक काम नहीं करते, लेकिन 2015 में पहली बार हमारी सरकार बनने के बाद जब हम शिक्षा विभाग में क्रांति लेकर आए या जब हमने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार किया, तो यह काम केवल सरकारी शिक्षकों, चिकित्सकों और नर्स ने ही किया।' उन्होंने कहा कि इस कदम ने इस मिथक को भी तोड़ दिया और अब सुरक्षा की भावना होने के कारण वे पहले से दोगुना काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने डीजबी में जो बड़ा फैसला किया है, उसकी गूंज देश को अन्य हिस्सों में भी सुनाई देगी और अन्य राज्यों के लोग भी सवाल करने लगेंगे कि यदि यह दिल्ली में किया जा सकता है, तो अन्य राज्यों में क्यों नहीं किया जा सकता।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अन्य विभागों में भी संविदा कर्मचारियों की नौकरी को स्थायी बनाना चाहती है, लेकिन केंद्र सरकार पर प्रशासनिक निर्भरता के कारण उसके पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त शक्तियां नहीं है। उन्होंने कहा कि डीजेबी एक स्वायत्त संस्था है, इसलिए इसमें ऐसा करना संभव था।

चुनाव प्रचार के दौरान बड़े हादसे का शिकार होते-होते बचीं प्रियंका गांधी, बिजली की तार ऊपर गिरी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के प्रचार के आखिरी दिन 8 फरवरी को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने मेरठ, आगरा और मथुरा जिलों में रोड शो में हिस्सा लिया तथा उप्र की जनता पर विश्वास जताते हुए कहा कि उनकी पार्टी की मेहनत रंग लाएगी। मथुरा में शोड शो के दौरान प्रियंका गांधी के काफिले पर अचानक एक तार गिर गयी, जिससे वह बाल बाल बचीं। हादसा बड़ा भी हो सकता था अगर सही समय पर उस खतरे को नहीं टाला जाता लेकिन समय से तार से प्रियंका गांधी को सुरक्षा में लगे लोगों ने बचा लिया। घटना कुछ इस प्रकार हुई जब प्रियंका गांधी का काफिला चुनाव प्रचार करते हुए मथुरा के छता बाजार के अंदर से गुजर रहा था। तभी बिजली का एक तार प्रियंका गांधी के चेहरे से टकराने वाला था क्योंकि वहा बहुत कम जगह थी और काफिला गलियों के बीच से निकल रहा था। सुरक्षाकर्मियों ने बिजली के तार को वक्त रहते पकड़ कर हटा दिया। आपको बता दें कि प्रियंका गांधी लगातर योगी सरकार पर निशाना साध रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही विकास, महिला अधिकार, किसानों की स्थिति, बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के रोडमैप के साथ उनके मुद्दे उठा रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख?यालय से मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने रोड शो में मतदाताओं से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए पार्टी को वोट देने की अपील की। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ प्रियंका गांधी मेरठ के हस्तिनापुर पहुंचीं और जैन साध्वी ज्ञानमती माताजी का आशीर्वाद लिया। बयान के अनुसार प्रियंका के साथ एक स्मृति साझा करते हुए माताजी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, राजीव गांधी और इंदिरा गांधी का हस्तिनापुर से विशेष लगाव था। मवाना पहुंचने पर प्रियंका वाद्रा और सचिन पायलट कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना गौतम के साथ ट्रैक्टर पर सवार हुए और लोगों से वोट मांगे।

केजरीवाल को पंजाब में वोट मांगने का कोई हक नहीं : सुखबीर बादल

सुजानपुर (पठानकोट)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने बुधवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पंजाब में वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच साल के दौरान लंबे समय तक राज्य का दौरा नहीं किया था। सुखबीर बादल ने अपनी पार्टी के सुजानपुर के उम्मीदवार राज कुमार गुप्ता के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। बादल ने कहा कि केजरीवाल कोविड-19 महामारी के दौरान भी पंजाब नहीं आए। बादल ने केजरीवाल पर 'पंजाबियों को फिर से धोखा देनेह्व की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए लोगों से कहा, 'आप पहले से ही पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा ली गई झूठी शपथ पर भरोसा करके पीड़ित हैं। अब, बाहरी लोगों की एक पार्टी आपसे एक मौका देने के लिए कह कर आपको लुभाने की कोशिश कर रही है।' शिअद प्रमुख ने कहा, 'मैं आम आदमी पार्टी से पूछता हूं कि पंजाबियों को उस पर भरोसा क्यों करना चाहिए। इसके संयोजक पांच साल पहले पंजाब आए और उनकी पार्टी ने राज्य में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभरने के लिए 20 सीटें भी जीतीं। हालांकि, लोगों की आवाज उठाने के बजाय, इसके 20 में से 11 विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए।' बादल ने कहा, 'केजरीवाल चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले साल में एक बार से अधिक पंजाब नहीं आए। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में पंजाब को कोई दवाइयां भेजने की परवाह नहीं की। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य का दौरा भी नहीं किया। यदि आप उन्हें मौका देते हैं और आम आदमी पार्टी को सत्ता में चुनते हैं तो आप उन पर कैसे भरोसा कर सकते हैं कि वे आपके साथ खड़े हैं।' शिअद अध्यक्ष ने पंजाबियों से बाहरी लोगों को खारिज करने का आग्रह करते हुए कहा कि सिर्फ शिअद-बहुजन समाज पार्टी का गठबंधन ही लोगों की क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

हिंदू हित ही राष्ट्रहित, यही होनी चाहिए पहली प्राथमिकता: मोहन भागवत

हमारे पास इतना सामर्थ्य है कि किसी के पास हमारे सामने खड़े रहने की ताकत नहीं

हैदराबाद (एजेंसी)

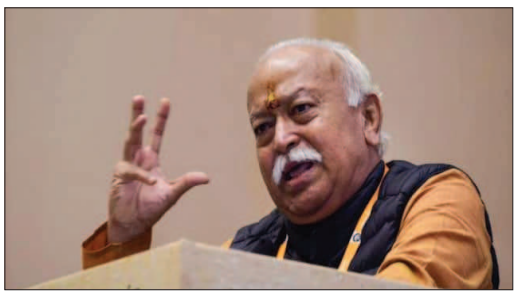

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू इतने सक्षम हैं कि किसी के पास उनके खिलाफ खड़े होने की ताकत नहीं है। हिंदू समुदाय किसी के प्रति विरोधी नहीं है। गौरतलब है कि संघ प्रमुख भागवत हाल ही में हैदराबाद में संत श्री रामानुजाचार्य की जयंती समारोह में भाग लेने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे पास इतना सामर्थ्य है कि किसी के पास हमारे सामने खड़े रहने की ताकत नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि हिंदू समाज किसी का विरोधी नहीं है। हम सदियों से कायम हैं और फलते-फूलते रहे हैं। जिन लोगों ने 1,000 वर्षों तक हिंदुओं को नष्ट करने की कोशिश की, वे अब दुनिया भर में आपस में लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के डर का एकमात्र कारण यह है कि वे भूल गए हैं कि वे कौन हैं। उन्होंने हमें खत्म करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज भी भारत के सनातन धार्मिक जीवन को यहां देखा जा सकता है। इतने अत्याचारों के बावजूद, हमारे पास 'मातृभूमि' है। हमारे पास बहुत सारे संसाधन हैं। तो हम क्यों डरते हैं? क्योंकि हम खुद को भूल जाते हैं। स्पष्ट कमजोरी का कारण यह है कि हम जीवन के प्रति अपने समग्र दृष्टिकोण को भूल गए हैं।'

भागवत ने आगे कहा कि हमलों और क्रूर अत्याचारों को झेलने के बावजूद देश में हमारी संख्या आज 80 प्रतिशत है। देश पर शासन करने वाले और राजनीतिक दलों को चलाने वालों में अधिकतर हिंदू हैं। यह हमारा देश है और आज भी यहां हमारे मंदिर हैं और बन भी रहे हैं। हमारी परंपराओं ने हमें जो सिखाया वह स्थायी है। उन्होंने कहा कि स्वयं, परिवार, पंथ, जाति, भाषा और अन्य पहचान के हितों से ऊपर राष्ट्रीय हित को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हिंदू हित यानी राष्ट्रहित पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और इसी तरह हम एक मजबूत और सक्षम राष्ट्र होंगे और फिर कमजोरी के किसी भी विचार को छोड़ देंगे।

गुजरात दंगे के 20 साल पूरे होने पर यूके की संसद में उठा मुद्दा

नई दिल्ली। गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों के 20 साल पूरे होने पर यूके की संसद में इससे जुड़ा मुद्दा गूंजने लगा। बुधवार को लेबर पार्टी के सांसद किम लीडबीटर ने कहा कि इन दंगों में दो ब्रिटिश नागरिकों की मौत हो गई थी और भारत को उनके अवशेष लौटा देने चाहिए। उन्होंने कहा कि यूके सरकार को भारत के सामने यह मुद्दा रखा चाहिए और पूछना चाहिए कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई थी। सांसद किम लीबीटर यॉर्कशायर के बैटली और स्पेन से सांसद हैं। विदेश मंत्री अमांडा मिलिंग ने कहा कि मृतकों के अवशेषों की मांग को ब्रिटिश सरकार भी सपोर्ट करेगी। ब्रिटिश संसद में हुई इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए वहां के भारतीय उच्चायोग ने कहा कि इस बारे में जानकारी ली गई है। हालांकि मृतकों के परिवारों ने अब तक इस बारे में संपर्क नहीं किया है। भारतीय उच्चायोग में प्रभारी विश्वेस नेगी ने कहा, जिस सांसद ने संसद में यह मुद्दा उठाया है उसने कभी उच्चायोग से संपर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवार ने भी इस तरह की सूचना या मांग नहीं की। सांसद ने अपने भाषण में कहा कि 2002 के दंगे में यूके के तीन नागरिकों और उनके भारतीय ड्राइवर की मौत हो गई थी। इन तीन नागरिकों में से दो दाऊद परिवार से थे और उनके क्षेत्र के रहने वाले थे। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को वे ताजमहल देखकर वापस आ रहे थे। जब वे गुजरात की सीमा में पहुंचे तो उनकी जीप को रोक लिया गया और भीड़ उनसे धर्म जानने की कोशिश करने लगी। उन्होंने जब बताया कि वे मुसलमान हैं तो भीड़ ने उनकी हत्या कर दी।

सिर्फ विधायक बनने के लिए ही नहीं, पिछड़े-दलित-वंचित-अकलियत समाज का वकील बनने के लिए लड़ रहा हूँ चुनाव-लौटनराम निषाद

गाज़ीपुर। 375-गाज़ीपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी चौ.लौटनराम निषाद ने साफ तौर पर कहा कि मण्डल कमीशन की विरोधी भाजपा कभी पिछडों,दलितों,वंचितों का हितैषी नहीं हो सकती।उन्होंने नारी पचदेवरा, मल्लाहटोला/मटखन्ना, सरौली,बेलासी,बेलसडी, बन्दीपट्टी, सेनापुर,नोकल का पूरा, चौबेपुर, गजाधरपुर, करकटपुर आदि गाँवों में जनसम्पर्क के दौरान नुक्कड़ सभाओं व चौपालों को सम्बोधित किया।उन्होंने कहा कि आज पिछड़े व गैर चमार दलित वर्ग के गाँव मे सरस्वती पंडाल लगाकर पूजा की जा रही है।कहा कि पूजा से नहीं पढ़ने से ज्ञान मिलता है।अगर सरस्वती की पूजा से ही ज्ञान मिलता तो विद्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ती।उन्होंने कहा कि असली विद्या की देवी राष्ट्रमाता क्रान्तिज्योति सावित्री बाई फूले व डॉ. फातिमा शेख हैं,जिन्होंने 1848 में पिछड़े,दलित वर्ग की बेटियों को पढ़ाना शुरू किया।इससे पूर्व भारतीय हिन्दू समाज में च्नारी शूद्रो विद्या न धीयतांज्ज की व्यवस्था थी।यानी कि 1848 से पहले पिछड़े दलित वर्ग के साथ किसी भी जाति धर्म की बहन बेटी ब्राह्मण हो या वाल्मीकि की बेटी को पढ़ने का अधिकार नहीं था।तब ज्योतिबा फूले व सावित्रीबाई फुले ने इन्हें पढ़ाने की शुरुआत किया।उन्होंने कहा कि लौटनराम निषाद मंडलवादी, अम्बेडकरवादी, पेरियारवादी है।हम सिर्फ विधायक बनने के लिए नहीं, बल्कि पिछडों, दलितों, वंचितों, अकलियतों का वकील बनने के लिए चुनाव लड़ रहा हूँ।

गाज़ीपुर सदर के कांग्रेस प्रत्याशी लौटनराम निषाद ने कहा निषाद, मल्लाह,केवट, बिन्द, कश्यप व पिछड़े,दलित भाजपा,बसपा को वोट देंगे तो अपने पैर में कुल्हाड़ी मारेंगे,अपने बच्चों का भविष्य बिगाड़ेंगे।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान, लोकतंत्र व आरक्षण को खत्म करने की साज़िश कर रही है।जब देश आज़ाद हुआ तब सुई तक नहीं बनती थी।जवाहरलाल नेहरू व इन्दिरा गांधी आदि के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के विकास व तरक्की के लिए गेल, सेल,रेल, भेल,ओएनजीसी, एनटीपीसी, एच सी एल, एयरपोर्ट, पोर्ट ट्रस्ट,कोल इंडिया आदि को स्थापित कराया।संचार क्रांति के लिए बीएसएनएल, एमटीएनएल को संचालित किया। खेती किसानी की तरक्की व गरीबी उन्मूलन के लिए पंचवर्षीय योजनाओं व बहु उद्देशीय नदी परियोजनाओं,विद्युत उत्पादन केंद्रों को शुरू किया,नहरों का जाल बिछाया,बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया।वर्तमान में भाजपा सरकार सरकारी संस्थानों, उपक्रमों का निजीकरण कर बेरोजगारी को बढ़ाने व आरक्षण को खत्म करने में जुटी हुई है।

अपनी ही सीट पर फंसे नवजोत सिद्धू बार-बार क्यों जा रहे वैष्णो देवी

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस की ओर से सीएम फेस के लिए रेस में रहे नवजोत सिंह सिद्धू अब अपनी ही सीट पर फंसे दिख रहे हैं। अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव लड़ रहे नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर से वैष्णो देवी की यात्रा पर निकल गए हैं। एक सप्ताह के भीतर यह वैष्णो देवी की उनकी दूसरी यात्रा है। 20 फरवरी को मतदान होना है और उससे पहले उनके वैष्णो देवी जाने को लेकर कहा जा रहा है कि हिंदू समुदाय को लुभाने के लिए वह ऐसा कर रहे हैं। दरअसल अकाली दल से यहां बिक्रम सिंह मजीठिया मुकाबले में उतरे हैं और कहा जा रहा है कि वह कड़ी टक्कर दे रहे हैं। अमृतसर ईस्ट सीट हिंदू बहुल है और सिद्धू के लिए चुनावी समर उतना आसान नहीं है, जितना समझा जा रहा था। एक तरफ नवजोत सिंह सिद्धू वैष्णो देवी की यात्रा पर निकले हैं तो उनकी पत्नी नवजोत कौर ने विधानसभा क्षेत्र में मोर्चा संभाल लिया है और पति के लिए वोट मांग रही हैं। वह यह कहते हुए वोट मांग रही हैं कि सिद्धू के पास पूरे राज्य की जिम्मेदारी है, इसलिए मैं आप लोगों के बीच हूं। उन्होंने दावा किया कि कई लोगों ने शिकायत की है कि मजीठिया के लोगों ने उनको धमकी दी है। इससे पहले 2 फरवरी को भी सिद्धू वैष्णो देवी पहुंचे थे। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, 'इस सीट पर हिंदुओं की अच्छी खासी आबादी है। हर वोट मायने रख रहा है। शायद यही वजह है कि वह हिंदू समुदाय को लुभाने के लिए भी वैष्णो देवी जा रहे हैं। मजीठिया के साथ उनका मुकाबला कड़ा हो चुका है।

कश्मीर में लौट रहे अच्छे दिन मोदी सरकार बोली-

610 प्रवासियों को लौटाई जमीन

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में जानकारी दी कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरूआत में जम्मू-कश्मीर में फैले आतंकवाद के बाद कम से कम 610 कश्मीरी प्रवासियों को उनकी संपत्ति वापस दिलाई गई है। गृह राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि 1,080 करोड़ रुपये खर्च करके प्रधानमंत्री विकास पैकेज-2015 के तहत कश्मीरी प्रवासियों के लिए 3,000 सरकारी नौकरियों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर सरकार ने पैकेज के तहत 1,739 प्रवासियों को नियुक्त किया है और इसके अलावा 1,098 प्रवासियों का चयन किया गया है। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, पिछले 5 सालों में 610 प्रवासी आवेदकों की जमीनें उन्हें वापस दी गई हैं। मंत्रालय द्वारा दिए गए जवाब में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर प्रवासी अचल संपत्ति एक्ट 1997, के तहत जम्मू और कश्मीर में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) प्रवासियों की अचल संपत्तियों के कानूनी संरक्षक हैं। डीएम को ऐसी संपत्तियों के संरक्षण के लिए सभी कदम उठाने का अधिकार है। गृहराज्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने कश्मीरी प्रवासियों को घाटी में वापस लाने के लिए कई उपाय किए हैं। इन प्रयासों में कश्मीर घाटी में कश्मीरी प्रवासियों को घर उपलब्ध कराने के लिए 920 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर छह हजार घरों का निर्माण कराना भी शामिल है।

कश्मीर हमारा है और हमारा ही रहेगा, कुछ इस अंदाज में भारत ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पाक-चीन को दिया जवाब

नयी दिल्ली (एजेंसी)

चीन और पाकिस्तान की भारत संग तनातनी अब आम बात हो चुकी है। चीन और पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता जिसकी वजह से भारत को भी मुंहतोड़ जवाब देना पड़ता है। भारत ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर कड़ी आपत्ति जताई है जो जम्मू और कश्मीर के अवैध कब्जे वाले हिस्सों में प्रस्तावित है। भारत सरकार ने पाकिस्तान और चीन द्वारा जारी संयुक्त बयान में कश्मीर के मुद्दे पर कही बात को भी खारिज कर दिया है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि एक बार फिर से कश्मीर मसले पर चीन और पाकिस्तान की जुगलबंदी सामने आई है। आपको पहले बताते हैं कि चीन और पाकिस्तान ने अपने संयुक्त बयान में कश्मीर को लेकर क्या कहा था और उस पर भारत ने कैसे दोनों को करारा जवाब दिया है।

कश्मीर पर चीन और पाकिस्तान की जुगलबंदी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान चीनी सरकार के निमंत्रण पर बीजिंग के दौरे पर पहुंचे और बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। खान ने चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी का हवाला देते हुए कहा कि उनका देश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की परियोजना के लिए प्रतिबद्ध है और कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना जारी रखेगा। इसके साथ ही दोनों देशों ने एक संयुक्त बयान भी जारी किया था। 6 फरवरी को चीन और पाकिस्तान ने कहा था कि वे कश्मीर में स्थिति को जटिल बनाने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करते हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान ने इस विषय पर अपनी चिंताओं सहित जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर चीन को जानकारी दी। चीनी पक्ष ने दोहराया कि कश्मीर मुद्दा इतिहास से बचा हुआ विवाद था, और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर उचित और शांतिपूर्ण ढंग से हल किया जाना चाहिए।

भारत ने दिखाया आईना

भारत के कड़े विरोध के बावजूद दोनों देश अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मामले में बयान जारी किया है। इस बयान में उन्होंने छह फरवरी को चीन और पाकिस्तान की तरफ से जारी संयुक्त बयान और चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का उल्लेख किया है। भारत ने चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से गुजरने वाले एक आर्थिक गलियारे के जिक्र को बुधवार को दृढ़ता से खारिज किया और कहा कि क्षेत्र तथा केन्द्र शासित राज्य लद्दाख भारत के अभिन्न तथा अविभाज्य हिस्से 'रहे हैं, हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत इस्लामाबाद के अवैध कब्जे वाले स्थानों पर 'अन्य देशों तथा पाकिस्तान द्वारा' यथा स्थिति को बदलने की किसी भी कोशिश का 'कड़ाई से विरोध' करता है। एक प्रश्न के उत्तर में बागची ने कहा कि भारत उम्मीद करता है कि भारत के आंतरिक मामलों में 'संबंधित पक्ष' हस्तक्षेप नहीं करें।

हिजाब केस- अभी हम दखल क्यों दें, पहले हाईकोर्ट को फैसला करने दें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

कर्नाटक में हिजाब विवाद के बवाल के बीचा गुरुवार को देश की शीर्ष अदालत में लगाई गई याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी हम मामले में क्यों कूदें। पहले हाईकोर्ट को फैसला करने दें। इस मामले में वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए याचिका लगाई थी। उनकी दलील थी कि यह मामला अब पूरे देश में फैल रहा है। परीक्षाएं होने वाली हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी हाईकोर्ट को मामले की सुनवाई करने दीजिए। हम देखेंगे कि आगे क्या कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिए आगे की तारीख देने से भी इनकार कर दिया है। कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने से रोके जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ गुरुवार को सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी ने बुधवार रात को इस मामले की सुनवाई के लिए पूर्ण पीठ गठित की, जिसमें उनके अलावा जस्टिस कृष्ण एस दीक्षित और जस्टिस के जे मोहिउद्दीन शामिल हैं। इससे पहले, इस मामले की सुनवाई कर रहे कर्नाटक जस्टिस के जस्टिस दीक्षित की एकल पीठ ने इस मामले को मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी के पास भेज दिया था। वहीं एकल न्यायाधीश ने कहा है कि मुख्य न्यायाधीश मामले पर गौर करने के लिए बड़ी पीठ के गठन का फैसला कर सकते हैं। वहीं, कर्नाटक सरकार की कैबिनेट ने हिजाब विवाद पर कोई भी फैसला लेने से पहले हाईकोर्ट के आदेश का इंतजार करने का निर्णय किया है। बता दें कि राज्य के उडुपी जिले के सरकारी महाविद्यालयों में पढ़ने वाली कुछ मुस्लिम लड़कियों ने हिजाब के साथ कक्षाओं में प्रवेश पर रोक के खिलाफ याचिका दायर की है। मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित ने कहा कि पर्सनल लॉ के कुछ पहलुओं के मद्देनजर ये मामले बुनियादी महत्व के कुछ संवैधानिक प्रश्नों को उठाते हैं।

हिजाब विवाद: असम की महमूदा बन सकती हैं कर्नाटक की मुस्लिम लड़कियों का रोल मॉडल

गुवाहाटी । देश में हिसाब विवाद को लेकर उठे संग्राम के बीच पूर्वोत्तर राज्य असम की एक 15 वर्षीय लड़की महमूदा बेगम मुस्लिम लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन सकती है। महमूदा असम के जूरिया हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ती है। 9वीं की स्टूडेंट महमूदा हर रोज हिजाब पहनकर स्कूल के गेट तक जाती है, लेकिन अंदर घुसने से पहले उसे उतारकर अपने बैग में रख लेती है। स्कूल खत्म होने पर बैग से हिजाब को निकालती है और पहनकर घर लौट आती है। 1948 में स्थापित जूरिया हायर सेकेंडरी स्कूल में महमूदा की तरह बाकी कई मुस्लिम लड़कियों का भी यही रूटीन है। वजह है, स्कूल के नियम। स्कूल के अंदर स्टूडेंट्स को निर्धारित यूनिफॉर्म के अलावा कुछ अलग ड्रेस पहनने की इजाजत नहीं है। चाहे वो मुस्लिम हों या हिंदू या किसी और धर्म को मानने वाले। एक रिपोर्ट के मुताबिक, महमूदा का कहना है कि अगर स्कूल में हिजाब पहनने की अनुमति दे दी जाए तो थोड़ी आसानी हो जाएगी, लेकिन वो ये भी कहती है कि नियम तो नियम हैं, टीचर्स ने कुछ सोचकर ही हिजाब और बाकी पारंपरिक पहनावे पर रोक लगाई होगी। असम के नागौन जिले में जूरिया में बंगाली मुसलमानों की अच्छी खासी तादाद है। यहां हिंदुओं की भी कई बस्तियां हैं। असम में स्थानीय और बाहरियों के बीच अरसे से चले आ रहे मतभेद के बीच लोगों को भी इन सामाजिक दूरियों के बारे में पता है, यही वजह है कि वो सामाजिक सद्भाव को कायम रखने के प्रति भी सतर्क रहते हैं। 15 साल की अशफियां सुल्तान भी महमूदा के साथ पढ़ती है। वो कहती है कि हिजाब हमारी पहचान का हिस्सा है। मैं घर में इसे पहनती हूं। परिवार में सभी महिलाएं ऐसा करती हैं। अगर हम लोग सड़क पर बिना हिजाब के निकल जाएं तो परिवार के लोग टोक देते हैं, लेकिन जब हम स्कूल जाते हैं तो वहां हमें ये पहनने की इजाजत नहीं है। कर्नाटक के हिजाब विवाद पर सुल्तान का कहना है कि मुझे इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता है, लेकिन ये अच्छी बात है कि लड़कियों ने अपने मन की बात कही है। करीब एक हजार स्टूडेंट्स वाले जूरिया हाई स्कूल के प्रिंसिपल रूपालिम सरमा ने कहा कि हम अपने स्कूल में ड्रेस कोड का सख्ती से पालन करवाते हैं। यह हिजाब, बुर्का पर भी लागू होता है और जींस या किसी और ड्रेस पर भी। हम स्कूल परिसर में इनकी इजाजत नहीं देते।

सार समाचार

अफगानिस्तान की इकलौती पॉर्न स्टार के पीछे पड़ा है तालिबान

यासमीना अली अफगानिस्तान की एकमात्र पॉर्न स्टार हैं। हाल ही में यासमीना ने बताया कि अफगानिस्तान के लोग उन्हें ज्यादा पसंद नहीं करते हैं और तालिबान उनके पीछे हाथ धोकर पड़ा है। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान के लोग उन्हें गंदे और भद्दे मैसेज भेजते हैं। यासमीना का मानना है कि तालिबानियों को उनके काम के बारे में पूरी खबर होगी कि वे क्या करती हैं और कहां रहती हैं। इसके साथ ही तालिबान के लड़के भी यासमीना की फिल्में देखते होंगे। आपको बता दें कि यासमीना अली ने एडल्ट इंडस्ट्री में कदम रखते ही इस्लाम छोड़ दिया था और नास्तिक बन गई थी। यासमीना पॉर्न फिल्म शूट करते समय हिजाब का इस्तेमाल करती हैं। यही वजह है कि तालिबान उनके पीछे हाथ धोकर पड़ा है। तालिबान नहीं चाहता है कि उनके नाम के साथ अफगानिस्तान का नाम जोड़ा जाए। 'आई हेट पॉर्न' पॉडकास्ट पर बोलते हुए यासमीना ने बताया कि तालिबान नहीं चाहता है कि उसका देश एक पॉर्न के लिए जाना जाए। यासमीन बचपन में ही अफगानिस्तान से ब्रिटेन आ गई थी। लेकिन उन्होंने अपने मुल्क की क्रूरता को कभी नहीं भुलाया है। यासमीन बताती हैं कि 90 के दशक में उन्होंने अपनी आंखों से देखा है कि कैसे तालिबान औरतों पर जुल्म करता था। यासमीना ने बताया कि साल 1990 में जब तालिबान ने काबुल पर जीत हासिल की थी तो उन्होंने अपनी आंखों से महिलाओं पर जुल्म होते हुए देखा था। उन्होंने बताया कि उस समय तालिबान का कब्जा काबुल पर हो रहा था। जब मुल्क में हालात बिगड़ने लगे तो यासमीना का परिवार अफगानिस्तान छोड़कर ब्रिटेन आ गया। आपको बता दें कि यासमीना अब एक सेक्स एक्टिविस्ट और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी काम करती हैं।

लड़के की आस में पाकिस्तानी गर्भवती महिला के सिर में ठोंकी गयी कील, पीर बाबा ने दी थी बेटा पैदा करने की गारंटी

समय पूरी तरह से बदल चुका है लेकिन आज भी लोग जादू-टोने में काफी विश्वास रखते हैं। जहां शिक्षा-विज्ञापन के माध्यम से समाज से अंधविश्वास को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है वहीं समाज में कुछ ऐसे भी लोग है जो छुपकर लोगों की मजबूरियों और डर का फायदा उठाकर अंधविश्वास को बढ़ावा दे रहे हैं। सच्चाई से अनभिग्य कुछ लोग ऐसे ढोंगियों की बात में आ जाते हैं और उनके बताए काम को करने लगते हैं। अंधविश्वास का यह घिनौना कांड काफी समय से चलता आ रहा है और मासूम लोग इसका शिकार होते जा रहे हैं। ताजा घटना पाकिस्तान से आयी है। जिसके सुनकर थोड़ी देर के लिए दिल घबरा जाएगा लेकिन बदकिस्मती से यह घटना पूरी तरह से सच हैं। पाकिस्तान में एक महिला की तीन बेटियां थी। वह अब चाहती थी कि उसके घर एक लड़का पैदा हो। गर्भवती महिला लड़के की चाह में एक पीर बाबा के चक्कर में पड़ गयी और इसी कारण उसकी जानपर बन आयी है। पीर बाबा ने एक टोटका बताते हुए महिला को सिर में कील ठोकने के लिए कहा गया, जिसके बाद महिला ने लड़के की चाहत में ढोंगी पीर की बात को मान लिया और अपने माथे पर दो इंच की कील ठुकवा ली। सिर के अंदर दो इंच की कील ठुकने के बाद महिला की हालत बिगड़ गयी जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। शुरूआत में महिला ने नहीं बताया कि उसके सिर पर आखिर यह कील कहां से आयी लेकिन बाद में पूछताछ के बाद महिला ने अपना मुंह खोला और बताया की वह लड़का पैदा करने की चाह में पीर बाबा के पास गयी थी और पीर बाबा ने उसे ऐसा करने के लिए कहा। वह पीर बाबा की बात इस लिए मानी क्योंकि पीर बाबा ने यह दावा किया था कि ऐसा करने से उसकी आने वाली औलाद लड़का ही होगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, घायल महिला को उत्तर पश्चिमी पेशावर शहर के लेडी रीडिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी खोपड़ी से कील निकालने के लिए उसकी सर्जरी की गई थी। महिला के एक्स-रे से पता चला कि पांच सेंटीमीटर (दो इंच) की कील ने महिला के माथे के ऊपरी हिस्से में छेद कर दिया था लेकिन उसका दिमाग छूट गया था। सुलेमान ने डॉन अखबार को बताया, रपरिवार ने कहा कि वह घर पर थी और बेहोश हो गई ।र उन्होंने कहा, 'उन्होंने इसे घर पर हटाने की कोशिश की, लेकिन नहीं कर सके,' उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने मरीज का ऑपरेशन करने के बाद इसे सफलतापूर्वक हटा दिया। महिला तीन बेटियों की मां है। ऐसा कहा जाता है कि पीड़िता को कथित तौर पर उसके पति ने एक लड़के को जन्म देने की धमकी दी थी, और अगर उसने चौथी लड़की को जन्म दिया तो वह उसे छोड़ देगा। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि अल्ट्रासाउंड के माध्यम से यह पता चलने के बाद कि वह फिर से एक बेटी को जन्म देने वाली थी, इसके बाद महिला ने पीर बाबा का सहारा लिया। इस बीच, पेशावर पुलिस ने इस जघन्य घटना का संज्ञान लिया है और दंपति से संपर्क करने की प्रक्रिया में है। राजधानी सिटी पुलिस पेशावर (सीसीपीओ) अब्बास अहसान ने जियो न्यूज टीवी को बताया कि पीड़ित सहायता अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे महिला से मिल कर उसे सलाह दें और घटना का विवरण प्राप्त करें, यह कहते हुए कि 'उसके पति और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सैन्य परेड की तैयारी कर रहा उत्तर कोरिया, सैटेलाइट इमेज से मिले संकेत

सियोल। उपग्रह की मदद से ली गई तस्वीरों में उत्तर कोरिया की राजधानी में एक प्रशिक्षण मैदान में सैकड़ों लोगों के नजर आने से उसके सैन्य परेड की तैयारी करने के संकेत मिले हैं। उत्तर कोरिया के संबंध में विशेष जानकारी रखने वाली वेबसाइट ह्यद 38 नॉर्थह्व ने बुधवार को बताया कि पांच फरवरी की यह तस्वीरें प्योंगयांग के मिरिम हवाई क्षेत्र से ली गईं, जहां पहले भी सैन्य परेड का पूर्वाभ्यास किया गया था। इससे उत्तर कोरिया के एक बार फिर सैन्य परेड करने के संकेत मिले हैं। उत्तर कोरिया अक्सर परेड और अन्य प्रदर्शनों के साथ महत्वपूर्ण वर्षगांठों को संबद्ध करता है। वेबसाइट ने कई आगामी अवसरों का उल्लेख किया, जिसमें किम जोंग उन के दिवंगत पिता किम जोंग इल की अगले सप्ताह 80वीं जयंती और अप्रैल में उनके दादा किम इल सुंग की 110वीं जयंती शामिल है। किम परिवार 1948 में उत्तर कोरिया की स्थापना के बाद से ही देश पर शासन कर रहा है। उत्तर कोरिया ने हालांकि ये जयंती मनाने के लिए किसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन कई बार उसने इन अवसरों पर भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया है।

अमेरिका में सात हाई स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, कोई विस्फोटक बरामद नहीं

वाशिंगटन। वाशिंगटन डी.सी. में सात 'पब्लिक हाई स्कूल' को बुधवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद उन्हें खाली करा लिया गया। हालांकि, कहीं से भी पुलिस को कोई विस्फोटक नहीं मिला। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) ने घोषणा की कि सात स्कूलों - डनबर हाई स्कूल, थियोडोर रूजवेल्ट हाई स्कूल, रॉन ब्राउन हाई स्कूल, कैआईपीपी डीसी कॉलेज प्रिपरेटरी, आईडिया पब्लिक चार्टर स्कूल, सीड पब्लिक चार्टर स्कूल और मैकिन्ले टेक हाई स्कूल को फोन पर धमकी मिली थी। एमपीडी ने ट्विटर पर बताया कि सभी स्कूलों के छात्रों को बाहर निकाला गया और इमारत की तलाशी ली गई। 'कोई खतरनाक सामग्री नहीं मिली।' इनके अलावा एक अन्य स्कूल 'फ्रेंडशिप पब्लिक चार्टर स्कूल' को भी धमकी मिली, लेकिन वह स्कूल बंद था। इससे एक दिन पहले 'डनबर हाई स्कूल' में 'ब्लैक हिस्ट्री मंथ' कार्यक्रम के दौरान स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कार्यक्रम में आए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डग एम्हॉफ को जल्द वहां से बाहर निकाला गया था।

मेंटान में वार्षिक लेमन उत्सव की की तैयारी करते हुए कर्मचारी।

डब्ल्यूएचओ ने चेताया, कोरोना वायरस के नये स्वरूप की अत्याधिक संभावनाएं

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक शीर्ष अधिकारी ने चेताया है कि कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप, इसका अंतिम स्वरूप नहीं होगा और अन्य नये स्वरूप के सामने आने की अत्याधिक संभावना है। डब्ल्यूएचओ के आधिकारिक सोशल मीडिया मंच पर मंगलवार को आयोजित सवाल-जवाब के एक सत्र के दौरान संगठन के कोविड-19 तकनीकी दल की मारिया वान केरखोव ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी ओमीक्रोन के चार अलग-अलग रूपों पर नजर बनाये हुए है। मारिया ने कहा, हम इस वायरस के बारे में अब काफी कुछ जानते हैं, हालांकि, हम सब कुछ नहीं जानते। मैं बिल्कुल साफ तौर पर कहूं तो वायरस के ये स्वरूप वाइल्ड कार्ड हैं। ऐसे में हम इस वायरस पर लगातार बारीकी से नजर बनाए हुए हैं, जिस तरह इसमें बदलाव होते हैं और जिस तरह ये रूप बदलता है। हालांकि, इस वायरस में बदलाव की अत्याधिक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ओमीक्रोन, सबसे ताजा चिंताजनक स्वरूप है और ये अंतिम चिंताजनक स्वरूप भी नहीं होगा। ऐसे में हमें एक बार फिर से ना केवल टीकाकरण का दायरा बढ़ाना होगा बल्कि प्रसार की रोकथाम के उपायों का पालन सुनिश्चित करना होगा।

अमेरिका के ब्लैक हॉक हैलीकाप्टर ने बिना पायलट उड़ान भर रचा इतिहास

वॉशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर ने पहली बार बिना पायलट के उड़ान भरकर इतिहास रच दिया है। इस टेस्ट फ्लाइट के लिए एक अत्याधुनिक सिस्टम सूट का इस्तेमाल किया गया। इस सिस्टम सूट को मुख्य रूप से हेलीकॉप्टर पायलटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस टेस्ट फ्लाइट को अमेरिकी वायु सेना की डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी ने लॉकहीड मार्टिन की सहायक कंपनी सिकोरस्की के सहयोग से विशेष रूप से कॉन्फिगर किए गए यूएच-60ए ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर पर किया है। ब्लैक हॉक की यह ऑटोनोमस उड़ान 5 फरवरी को केंटकी में आर्मी के फोर्ट कैंपबेल में लगभग 30 मिनट तक आयोजित की गई। अमेरिका के इस हेलीकॉप्टर की नई ताकत से रूस और चीन की टेंशन बढ़ना तय है। इसके दो दिन बाद एक और ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को बिना पायलट के उड़ाया गया। लेकिन, इस हेलीकॉप्टर का मालिकाना हक अमेरिकी वायु सेना के पास न होकर सिकोरस्की के पास है। दूसरे परीक्षण के बारे में सिकोरस्की ने कई डिटेल जारी नहीं की है। डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी ने कहा कि उनकी योजना अगले महीने वर्जीनिया के फोर्ट यूस्टिस में इसी प्रणाली से लैस फ्लाई-बाय-वायर यूएच-60एम ब्लैक हॉक की पहली उड़ान का संचालन करने की है। लॉकहीड मार्टिन ने कहा कि इस क्षमता के कारण अब ब्लैक हॉक को अलग-अलग तरह के मिशन में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस सिस्टम में लगे ऑन-बोर्ड सेंसर हर समय आटो पायलट को रियल टाइम डेटा देता रहता है। सिकोरस्की यूएच-60 ब्लैक हॉक चार-ब्लेड, ट्विन-इंजन, मीडियम लिफ्ट मल्टी यूटिलिटी हेलीकॉप्टर है। इस हेलीकॉप्टर को लॉकहीड मार्टिन की सहयोगी कंपनी सिकोरस्की एयरक्राफ्ट ने बनाया है। सिकोरस्की ने 1972 में पहली बार अपने ब्लैक हॉक एस-70 डिजाइन को अमेरिकी वायु सेना के लिए ऑफर किया था। उस साल अमेरिकी सेना ने एक यूटिलिटी हेलीकॉप्टर के लिए यूटिलिटी टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट सिस्टम प्रतियोगिता का आयोजन भी किया था। 1976 में ब्लैक हॉक को इस कार्यक्रम के विजेता के रूप में चुना गया था। 1979 में अमेरिकी वायु सेना में प्रवेश के साथ यूएच-60ए हेलीकॉप्टर का नाम प्रसिद्ध अमेरिकी वॉर लीडर ब्लैक हॉक के नाम पर रखा गया। ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल अमेरिका, जापान, कोलंबिया, दक्षिण कोरिया, इजरायल, ब्राजील, चीन, मेक्सिको,फिलीपींस, स्लोवाकिया, स्वीडन, ताइवान और तुर्की की सेना और वायु सेना करती है। इसके अलावा हाल में ही ऑस्ट्रेलिया ने भी ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को खरीदने के लिए अमेरिका के साथ करार किया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि तालिबान के पास भी सीमित संख्या में ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर मौजूद हैं।

हिजाब विवाद में कूदा पाक, कहा मुस्लिम महिलाओं की 'सुरक्षा' सुनिश्चित करे भारत सरकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)

इस्लामाबाद में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुस्लिम छात्राओं को सिर पर स्कार्फ पहनने से रोकना एक 'निंदनीय कार्य' है। भारत सरकार को भारत में मुस्लिम महिलाओं की 'सुरक्षा' सुनिश्चित करनी चाहिए। पाकिस्तान इस विवाद का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करना चाहता है। पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के बाद अब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने हिजाब का समर्थन किया है। मरियम नवाज ने ट्विटर पर प्रोफाइल पिक्चर में कर्नाटक की मुस्लिम लड़की मुस्कान की तस्वीर लगाई है। उन्होंने इस तस्वीर को ट्वीट करते हुए कुछ लिखा नहीं है। कुरैशी ने कहा था कि मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखना उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन है। दुनिया को यह समझना होगा भारत में यह मुसलमानों के दमन का प्लान है।

मुस्कान ने कर्नाटक के मांड्या में जय श्री राम बोल रहे लड़कों के सामने अल्लाह हू अकबर का नारा लगाया था। मुस्कान महात्मा गांधी कॉलेज उडुपी की छात्रा हैं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस छात्रा की तारीफ करते हुए उसे बहादुर लड़की बताया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि मैं लड़की के मां-बाप को सलाम करता हूं। इस लड़की ने मिसाल पेश की है। उस लड़की ने कई कमजोरों को पैगाम दिया है। जो काम उस लड़की ने किया वह बहुत हिम्मत का काम था।

जयशंकर ने कतर के अपने समकक्ष से मुलाकात की

दोहा (एजेंसी)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कतर के अपने समकक्ष शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी के साथ उपयोगी बातचीत की और व्यापक आधार वाली राजनीतिक, आर्थिक, डिजिटल और सुरक्षा साझेदारी पर चर्चा की। खाड़ी देश का दौरा कर रहे जयशंकर ने भारतीय समुदाय को दिए गए समर्थन के लिए कतर के अधिकारियों को भी धन्यवाद दिया। अल-थानी कतर के उप प्रधानमंत्री भी हैं। उनके साथ बातचीत में विदेश मंत्री ने निवेश और व्यापार के विस्तार में रुचि की सराहना की। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'कतर के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से उपयोगी बातचीत हुई। हमारी व्यापक आधार वाली राजनीतिक, आर्थिक, डिजिटल और सुरक्षा साझेदारी पर चर्चा की। निवेश और व्यापार के विस्तार में रुचि की सराहना करता हूं। भारतीय समुदाय को दिए गए समर्थन के लिए कतर के अधिकारियों को धन्यवाद।'

जयशंकर ने दोहा में नए दूतावास परिसर की आधारशिला का भी अनावरण किया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए उप्र प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अल थानी को धन्यवाद। विश्वास है कि नया दूतावास परिसर कतर में भारतीय समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

यूक्रेन ने सीमा पर रूस के हथियारों की तैनाती को देखते हुए अमेरिका से मांगा थाड मिसाइल सिस्टम

कीव (एजेंसी)

यूक्रेन की सीमा पर रूस की जंगी फौज का जमावडा लगा है। वहीं, यूक्रेन के समर्थन में कूदे नाटो की घेराबंदी को देखते हुए रूस ने भी काला सागर में जंगी जहाजों की तैनाती को बढ़ा दिया है। यूक्रेन बॉर्डर पर भी रूसी सैनिक मिसाइल, टैंक, तोप और आर्मर्ड व्हीकल के साथ अलर्ट मोड पर हैं। अब यूक्रेन ने रूस की तैयारियों को देखते हुए अमेरिका थे टर्मिनल हाई एल्टिट्यूड एरिया डिफेंस को तैनात करने की मांग की है। अमेरिका का थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ-साथ दुश्मनों के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टरों को मार गिराने में सक्षम है।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी एक राजनयिक सूत्र के हवाले से दावा किया है कि यूक्रेन ने खार्कोव के पास थाड एंटी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को तैनात करने का अनुरोध किया है। थाड का एएन/टीपीवाई-2 रडार रूसी हवाई क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर नजर रखने में सक्षम है। यह रडार यूक्रेन, नाटो और अमेरिका को रूस के 1000 किलोमीटर तक हवाई हलचल की जानकारी देने में सक्षम होगा। अमेरिका के थाड मिसाइल सिस्टम को एंटी बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने के लिए डिजाइन किया गया है। इस सिस्टम को लॉकहीड मार्टिन ने 1987 में विकसित किया था। 1991 में खाड़ी युद्ध के दौरान इराक के स्कड मिसाइल हमलों से सबक लेते हुए इस सिस्टम को बनाया गया था। इस सिस्टम में शामिल मिसाइलों में सिंगल स्टेज रॉकेट इंजन का इस्तेमाल किया जाता है। इसके उलट एस-400 डिफेंस सिस्टम में मल्टीलेयर मिसाइलें शामिल होती हैं। यह सिस्टम बैलिस्टिक मिसाइलों को उनकी उड़ान के शुरूआती दौर में ही गिराने में सक्षम है। यह सिस्टम हिट टू किल तकनीक पर काम करता है, मतलब यह मिसाइलों को रोकने और भटकाने की जगह उन्हें बर्बाद कर देता है। दावा किया जाता है कि थाड सिस्टम 200 किलोमीटर की दूरी और 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। इसकी मिसाइलों की रफ्तार 10000 किलोमीटर प्रति घंटे होती है। अमेरिकी थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम के प्रत्येक यूनिट की अनुमानित कीमत लगभग तीन बिलियन डॉलर है। सऊदी अरब ने नवंबर में 44 थाड लॉन्चर और मिसाइल खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। इसकी प्रत्येक बैटरी 6 लॉन्चर्स के साथ आती है। जिसकी कीमत 15 बिलियन डॉलर है।

उल्कापिंडों ने नष्ट कर दिया था मंगल ग्रह से जीवन

सिडनी (एजेंसी)

3 करोड़ साल से ज्यादा तक हुई थी उल्कापिंडों की बारिश

अंतरिक्ष के मंगल ग्रह पर 3 करोड़ साल ज्यादा तक उल्कापिंडों की बारिश हुई थी। इससे मंगल ग्रह से जीवन समाप्त हो गया था। इस समय को लेट हैवी बम्बॉर्डमेंट कहते हैं। इसका संबंध धरती पर जीवन की शुरूआत से भी है। यह स्टडी उस उल्कापिंड की स्टडी पर आधारित है जो उत्तर-पश्चिम अफ्रीका में मिला था। इसका नाम है ब्लैक ब्यूटी। वैसे वैज्ञानिकों ने इसे एनडब्ल्यूए-7034 नाम दिया है।

इस उल्कापिंड में मंगल ग्रह की प्राचीनता के सबूत है, जो करीब 450 करोड़ साल पुराने माने जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया स्थित कर्टिन यूनिवर्सिटी के पीएचडी स्कॉलर और स्टडी के प्रमुख शोधकर्ता मॉर्गन कॉक्स ने अपने बयान में कहा कि यह उल्कापिंड साल 2013 में मिला था। इसपर भारी मात्रा में क्षति के निशान हैं। आमतौर पर ऐसे क्षति के निशान जिरकॉन खनिजों में मिलते हैं। या फिर ऐसी क्षति वाले स्थानों पर जिरकॉन पाए जाते हैं। ये तभी बनते हैं, जब कोई ताकतवर उल्कापिंड किसी ग्रह से टकराता है।

जिरकॉन धरती पर भी जमा है। जो डायनासोर को मारने वाले एस्टेरॉयड की टक्कर के बाद बना था। यह चांद पर भी मिलता है।कुछ स्टडीज में यह माना गया है कि मंगल ग्रह पर उल्कापिंडों की टक्कर 485 करोड़ साल पहले रुक गई थी। शुरूआती मंगल ग्रह गीला और गर्म वातावरण वाला ग्रह था। वायुमंडल भी काफी घना था। जिसकी वजह से उसकी सतह पर जीवन की उत्पत्ति हुई होगी। मंगल ग्रह पर पानी भी रहा होगा। जिसकी वजह से 420 करोड़ साल पहले वहां पर जीवन की संभावना थी। लेकिन उल्कापिंडों की लगातार बारिश से जीवन और पानी सब समाप्त हो गया। यह स्टडी हाल ही में साइंस एडवांसेस नाम के जर्नल में प्रकाशित हुई है।

कुछ दिन पहले भी एक स्टडी आई थी, जिसमें कहा गया था कि मंगल ग्रह पर 60 करोड़ सालों तक एस्टेरॉयड की बारिश होती रही है। जिसकी वजह से मंगल ग्रह की सतह पर इतने ज्यादा गड्ढे दिखते हैं। आमतौर पर वैज्ञानिक सतह पर मौजूद गड्ढों की वैज्ञानिक गणना करके ग्रह की उम्र का पता लगाते हैं।

अगर ज्यादा गड्ढे दिखते हैं, तो ज्यादा सटीक उम्र का पता लगाया जा सकता है।क्रेटर यानी गड्ढों के निर्माण की प्रक्रिया बेहद जटिल होती है। क्योंकि ये एक अनुमानित जानकारी ही देते हैं। क्योंकि अब कोई मंगल ग्रह पर तो गया नहीं है कि वहां जाकर वो गड्ढों की जांच करे। क्योंकि एस्टेरॉयड्स की टक्कर से पहले कई तो वायुमंडल में जलकर खत्म हो जाते हैं। सिर्फ बड़े वाले ही जलते-बुझते और घिसते हुए सतह पर टकराते हैं। वो ही सतह पर टकराकर गड्ढे बनाते हैं। एक नई रिसर्च में वैज्ञानिकों की टीम ने न्यू क्रेटर डिटेक्शन एल्गोरिदम की मदद से मंगल ग्रह के 521 गड्ढों की स्टडी की। इनमें से हर गड्ढे का व्यास कम से कम 20 किलोमीटर है। लेकिन सिर्फ 49 गड्ढे ऐसे हैं जो 60 करोड़ साल पुराने हैं। इनका निर्माण लगातार हुआ है।

एक के बाद एक। इससे पता चला कि 60 करोड़ सालों तक मंगल की सतह पर एस्टेरॉयड्स की बारिश होती रही है। ऑस्ट्रेलिया के कर्टिन यूनिवर्सिटी के प्लैनेटरी साइंटिस्ट और इस स्टडी में शामिल शोधकर्ता एंथनी लागेन ने कहा कि यह स्टडी पुराने अध्ययनों को खारिज करती है, जो ये कहते थे कि क्रेटर एक छोटे समय में बने होंगे।

संपादकीय

अन्न की बर्बादी

किसानों के खून-पसीने से उगाये और करदाताओं की मेहनत की कमाई से खरीदे गए अनाज के बड़ी मात्रा में उचित भंडारण के अभाव में बर्बाद होने की खबरें हर साल आती हैं। इसके बावजूद बारिश में भीगने तथा पक्षियों व अन्य जीवों द्वारा अनाज के ढेरों की बर्बादी की खबरें हर साल अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं। लेकिन प्रबंधन से जुड़ा तंत्र व निगरानी करने वाला प्रशासन इस मुद्दे पर संवेदनहीन बना रहता है। इसी तरह की आपराधिक लापरवाही की नवीनतम घटना करनाल में नजर आई जहां खुले में पड़े अनाज से भरी बोरियों के ढेर बारिश में खराब होते देखे गये। जाहिर है यह अनाज सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित होना होगा। बहुत संभव है कि अनाज की बर्बादी की जवाबदेही से बचने के लिये खराब अनाज भी गुपचुप तरीके से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये भेजी जाने वाली अनाज की खेप में खपा दिया जाये। यह विडंबना ही है कि गुणवत्ता से भरपूर अनाज उत्पादन के लिये अग्रणी पंजाब और हरियाणा में ऐसे तमाम मामले प्रकाश में आ रहे हैं। जबकि जवाबदेही तय करके और रखरखाव की उचित व्यवस्था करके इस मौसमी परिवर्तन से होने वाले नुकसान को टाला भी जा सकता है। यह विडंबना ही है कि कई राज्य खाद्यान्न संकट से जूझ रहे हैं और वहीं दूसरी ओर हजारों टन अनाज बारिश व धूप में पड़ा हुआ सड़ता रहता है। इन राज्यों में गुणवत्ता निरीक्षण के दौरान कई ऐसे मामले प्रकाश में आते रहे हैं। निस्संदेह, यह आपराधिक लापरवाही से होने वाली राष्ट्रीय क्षति भी है। इस अनाज को उगाने में कृषक के श्रम के अलावा बिजली-पानी व भूमि की उर्वरता की लागत भी शामिल होती है। अनाज के बर्बाद होने ये घटक भी व्यर्थ चले जाते हैं जो सही मायनों में राष्ट्रीय संसाधनों की क्षति ही है, जिसे भंडारण की क्षमता के विस्तार और जवाबदेही तय करके टाला भी जा सकता है।

यह विडंबना ही है कि आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा देश अब तक अपने नागरिकों के खाद्यान्न का उचित भंडारण नहीं कर पाया है। दशकों से मंत्री व अधिकारी लंबे-चौड़े दावे करते आये हैं कि अनाज भंडारण की फुलप्रूफ व्यवस्था की जायेगी। देश में पर्याप्त गोदामों के अभाव में बेशकीमती अन्न की यूं ही बर्बादी होती रहे, यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इस बाबत देश की शीर्ष अदालत भी कई बार सख्त टिप्पणी कर चुकी है। प्रबंधन से जुड़ी नियामक संस्थाओं को फटकार लगा चुकी है कि यदि गोदामों में जगह नहीं है और कीमती अनाज को सड़ने व बर्बाद होने से नहीं बचाया जा सकता तो इस अनाज को गरीबों में बांट दीजिए। लेकिन अधिकारी हैं कि फटकार सुनकर भी चिकने घड़े बने हुए हैं। जिस देश में कुपोषण व भुखमरी के आंकड़े पड़ोस के गरीब मुल्कों से अधिक हों, वहां लाखों टन अनाज यूं ही जाया चला जाये, इससे ज्यादा दुखद स्थिति कुछ और नहीं हो सकती। जटिल परिस्थितियों के बीच लाखों बोरी अनाज को बारिश में भीगने देना, चूहों, पक्षियों तथा कीड़ों द्वारा अखाद्य बनाना देश के नीति-नियंताओं पर सवालिया निशान लगाता है। यह विडंबना ही है कि जो देश आजादी से पहले सदियों तक अकाल व सूखे की वजह से खाद्यान्न संकट से जूझता रहा हो, वहां अन्न की शर्मनाक तरीके से बर्बादी जारी है। आजादी के बाद भी ऐसे संकट आये कि हमें आयातित गेहूं के लिये अमेरिका का मुंह ताकना पड़ा था। हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता प्रदान की। लेकिन हमें इस उपलब्धि को यूं ही नहीं गंवाना चाहिए। हमें इस अनाज को भुखमरी व कुपोषण के खिलाफ सशक्त हथियार बनाना चाहिए। गत वर्ष मई में जब गेहूं की खरीद एक सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी तो केंद्र सरकार ने जुलाई के अंत तक दो प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक राज्यों पंजाब व हरियाणा में सौ फीसदी वैज्ञानिक भंडारण का आश्वासन दिया था, लेकिन करनाल का मामला बताता है कि दावे हकीकत नहीं बने हैं। इस मामले में उच्चतम स्तर पर दोषियों की जवाबदेही तय करते हुए सख्त कार्रवाई की जाए।

टीके की चिंता

पंद्रह साल तक की आयु के बच्चों को टीकाकरण की बाबत सरकार ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ समूह के सुझावों के आधार पर ही कोई निर्णय किया जाएगा। राज्य सभा में मंगलवार को इस बाबत सदस्यों की चिंता साझा करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पंद्रह साल से कम आयु के बच्चों को टीकाकरण को लेकर सरकार विशेषज्ञ समूह के सुझावों की प्रतीक्षा कर रही है। गौरतलब है कि विशेषज्ञ समूह नियमित रूप से बैठकें करके महामारी से उत्पन्न हर दिन के हालात की समीक्षा करके जरूरी सुझाव देता है। इन्हीं सुझावों के आधार पर सरकार कार्रवाई करती है। इस तरह भारत महामारी का अच्छे से सामना कर पा रहा है। सदस्यों ने देश के विभिन्न स्थानों पर स्कूलों के फिर से खुलने से बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी क्योंकि देश में कोरोना महामारी का प्रकोप अभी थमा नहीं है। मंगलवार को एक दिन में देश में कोरोना के 67,597 नये मामले सामने आए। इसके साथ ही इस महामारी से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 4,23,39,611 हो गई। बेशक, यह चिंता की बात है, लेकिन संतोष की बात यह है कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 27 दिन बाद भी 10 लाख से कम बनी हुई है। इसका एक कारण तेजी से चलाया जा रहा टीकाकरण अभियान भी है। देश में 97.5/ पात्र लाभार्थियों को टीके की पहली खुराक मिल चुकी है, और 77/ लोगों को दूसरी खुराक भी लग गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी बड़ी है कि विकसित देश अपनी आबादी के 90/ से ज्यादा लोगों को पहली खुराक तक नहीं दे सके हैं। इस लिहाज से देखें तो कह सकते हैं कि भारत कोविड़ संकट से बेहतर तरीके से निपट रहा है। इसकी पुष्टि इस तथ्य से भी होती है कि भारत महामारी की तीसरी लहर से निपटने में सक्षम हो सका। बहरहाल, स्कूल खुलने लगे हैं, और जहां नहीं खोले गए वहां निजी स्कूल वाले और छात्र इन्हें खोले जाने की मांग कर रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र भी इस सिलसिले में आंदोलित हैं। शिक्षण-प्रशिक्षण को लंबे समय तक थामे नहीं रखा जा सकता। इसलिए जरूरी है कि किशोरों और युवाओं का जल्द से जल्द टीकाकरण पूरा किया जाए ताकि होनहारों के भविष्य पर महामारी का साया न पड़ने पाए।

यूपी के चुनावी घोषणा पत्र में भी बाजी मारती भाज

सियाराम पांडेय 'शांत'

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के चुनाव प्रचार की समाप्ति से कुछ घंटे पूर्व भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी किए। कांग्रेस अपना घोषणा पत्र पहले ही जारी कर चुकी है। सपा और भाजपा ने बहुत देर से अपना वचन और संकल्प पत्र काफी विलंब से जारी किया है लेकिन इसके पीछे अपने घोषणा पत्र को मजबूती से जनता के समक्ष रखने की कोशिश ही प्रमुख है।

भाजपा ने जहां इसे पूर्व की तरह लोक कल्याण संकल्प पत्र नाम दिया तो समाजवादी पार्टी ने सत्य वचन पत्र कहा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही कह चुके थे कि भाजपा जब अपना चुनावी घोषणा पत्र ले आएगी, तभी वह अपनी पार्टी का चुनावी घोषणापत्र सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने ऐसा किया भी लेकिन उन्हें क्या पता था कि भाजपा अपने लोक कल्याण संकल्प पत्र में विपक्ष के दावों को भी शामिल कर लेगी। भाजपा ने लोक कल्याण संकल्प पत्र में जहां आधी आबादी के विकास पर जोर दिया है, वहीं गांव-गरीब और किसान के हितों की भी चिंता की है। स्वास्थ्य और शिक्षा पर उसका विशेष फोकस रहा है। प्रदेश के हर जिले में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त मेडिकल कॉलेज स्थापित करने, प्रदेश के हर नागरिक को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय में उपलब्ध कराने की गारंटी देने वाला कानून लाने के संकल्प को कमोबेश इसी रूप में देखा-समझा जा सकता है।

अयोध्या में रामायण विश्वविद्यालय की स्थापना का वादा कर भाजपा ने सीधे तौर पर प्रदेश भर के रामभक्तों का दिल जीतने की कोशिश की है। राममंदिर का निर्माण कार्य तो चल ही रहा है। लव जिहादियों को कम से कम 10 साल की सजा और एक लाख का जुर्माना लगाने की घोषणा कर निश्चित रूप से भाजपा ने आधी आबादी की सुरक्षा चिंता को घटाने का काम किया है।

उत्तर प्रदेश को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प के साथ ही भाजपा ने पांच खरब रुपये के साथ 'मिशन आत्मनिर्भर' शुरू करने का वायदा किया है। इसके तहत भाजपा पांच लाख नए महिला स्वयं सहायता समूह बनाएगी। हर ग्राम पंचायत में नियमित रूप से गरीब कल्याण मेले के आयोजन की उसकी घोषणा बताती है कि वह सुनियोजित तरीके से गांवों का विकास करना चाहती है जबकि अन्य राजनीतिक दल केवल मुफ्त सुविधाएं देने की बात कर रहे हैं और यह ग्रामीणों की समस्याओं का हल नहीं है।

लोक कल्याण संकल्प पत्र में भाजपा ने प्रादेशिक भाषाओं में शोध को बढ़ावा देने के लिए सूरदास ब्रजभाषा अकादमी, गोस्वामी तुलसीदास अवधी अकादमी, केशवदास बुंदेली अकादमी एवं संत कबीर दास भोजपुरी अकादमी स्थापित करने का भी वायदा किया है। भाषिक अभियान के तहत भाजपा ने जहां पूर्वांचल, अवध क्षेत्र और बुंदेलखंड को साधने का प्रयास किया है, वहीं भाजपा ने बाबूजी कल्याण सिंह ग्राम उन्नत योजना शुरू करने की घोषणा कर पश्चिम को भी साधने की मुकम्मल कोशिश की है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के घोषणापत्र में इस तरह के दृष्टिकोण का नितांत अभाव नजर आता है।

लोक कल्याण संकल्प पत्र तैयार करने में भाजपा ने 30 हजार से ज्यादा सुझाव प्राप्त किया। इससे संबंधित आकांक्षा पेटी लांच कर, 'यूपी नंबर एक, सुझाव आपका, संकल्प हमारा' अभियान, 30 हजार ग्राम पंचायतों, सभी विधानसभा क्षेत्रों और महानगरों में विभिन्न सामाजिक और आर्थिक वर्ग के लोगों से संवाद कर इसे तैयार किया। कदाचित अन्य दल इस तरह का दावा कर पाने की स्थिति में नहीं है।

यूपी की जनता को अपनी ओर आकृष्ट करने की राजनीतिक दलों की कोशिश और बात है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य तो रखा ही है। होली-दीपावली पर उज्ज्वला योजना के तहत दो एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा भी की है। 60 साल से ऊपर की महिलाओं को फ्री बस यात्रा की घोषणा भी आधी आबादी का दिल जीतने वाली है।

मेरठ, रामपुर, आजमगढ़, कानपुर, बहराइच में एंटी टेररिस्ट कमांडो सेंटर बनाने की घोषणा कर भाजपा ने जहां असामाजिक तत्वों के खिलाफ शिकंजा ढीला न होने देने का संकल्प जताया है, वहीं सभी किसानों को सिंचाई पर मुफ्त बिजली देने और गन्ना किसानों को 14 में भुगतान व सीमांत और छोटे किसानों के लिए दुगुनी किसान सम्मान निधि देने का वायदा कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के हाथ से किसानों का मुद्दा छीन लिया है। कन्या सुमंगला राशि बढ़ाकर 15 हजार से 25 हजार रुपये करने, मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने, मेधावी छात्रों को लैपटॉप देने, यूपीएससी समेत सरकारी नौकरियों में महिलाओं की संख्या दोगुनी करने, लता मंगेशकर की स्मृति में परफॉर्मिंग आर्ट्स अकादमी बनाने की घोषणा कर भाजपा ने सपा और कांग्रेस की महिला मतदाताओं को लुभाने की कोशिशों को तगड़ा झटका दिया है।

काशी, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, झांसी, प्रयागराज को मेट्रो सुविधा से जोड़ने, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाने, प्राथमिक स्कूलों में टेबल-बेंच की व्यवस्था करने, हर मण्डल में कम से कम एक विश्वविद्यालय स्थापित करने, हर परिवार को कम से कम एक सदस्य को रोजगार देने का वायदा कर भाजपा ने विकास को लेकर अपनी दूरंदेशी सोच का परिचय दिया है। इस तरह की सोच सपा और कांग्रेस के घोषणा पत्र में नजर नहीं आती।

बहराइच में महाराजा सुहेलदेव की स्मृति में भव्य स्मारक बनाने की घोषणा कर उसने जहां राजभर समाज के लोगों को साधने का प्रयास किया है, वहीं समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन दल में शामिल ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा के पैरों तले की जमीन सरकाने की भी चेष्टा की है। समाजवादी पार्टी ने सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा किया था। भाजपा ने भी इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल कर लिया है। गन्ना भुगतान की अवधि भी भाजपा ने सपा के वादे के मुकाबले एक दिन कम कर दी है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। भाजपा ने भी इसे अपने संकल्प पत्र में शामिल कर लिया है। साथ ही,25 हजार करोड़ की लागत के साथ मुख्यमंत्री कृषि सिंचाई योजना शुरू करने का वादा किया है।

कांग्रेस ने हर साल तीन गैस सिलेंडर महिलाओं को मुफ्त देने का वादा कर रखा है। भाजपा ने होली और दीपावली में दो गैस सिलेंडर मुफ्त देने का एलान किया।

कांग्रेस ने पुलिस में महिलाओं की भर्ती बढ़ाने का वादा किया है। भाजपा ने तीन नई महिला बटालियन शुरू करने का एलान किया। इसके अलावा तीन हजार पिंक पुलिस बूथ बनाने का भी एलान किया। कांग्रेस ने सरकारी भर्तियों में महिलाओं की भागीदारी 25 प्रतिशत करने का वादा किया है। भाजपा ने यूपीपीएससी समेत सभी भर्तियों में महिलाओं की संख्या दोगुना करने का एलान कर दिया।

> "राजनीतिक दलों के वायदों पर जनता कितना विश्वास करेगी, यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन वायदों की जंग में भाजपा सब पर भारी पड़ती नजर आ रही है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास जीतने का उसका पांच साल का ट्रैक रिकॉर्ड भी है। ऐसे में ममता के शब्दों में यूपी में खेला होगा या यूपी का मतदाता एकबार फिर अपने समग्र विकास की चिंता करेगा, यह देखने वाली बात होगी।"

वोट की चोट हो

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जागरूकता जरूरी

लक्ष्मीकांता चावला

भारत के चुनाव आयोग ने यह आवश्यक कर दिया है कि चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। साथ ही शीघ्र से शीघ्र प्रत्याशियों के आपराधिक विवरण की जानकारी समाचारपत्रों में प्रकाशित करवाएं। जरूरी है कि आयोग द्वारा निर्धारित समाचारपत्रों तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समय से पहले हर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशी की सारी जानकारी जनता को दी जाए। आठ फरवरी से पहले इस संबंध में पहला इश्तिहार प्रकाशित हो जाना चाहिए था, जो अधिकतर उम्मीदवारों ने नहीं किया।

दरअसल, चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार और उसकी पार्टी को तीन बार समाचारपत्रों और टेलीविजन में उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि, कितने केस बने हैं और दंड संहिता की किस-किस धारा में ये केस दर्ज हैं, उसका प्रकाशित होना बहुत जरूरी है। दूसरा, इश्तिहार नामांकन वापस लेने की तिथि के पांचवें दिन और तीसरा इश्तिहार नौवें दिन से लेकर प्रचार के आखिरी दिन अर्थात् चुनाव से एक दिन पहले अवश्य ही अखबारों में छपना चाहिए। अखबार भी वह होने चाहिए, जिनका नाम राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव आयोग ने तय किया है।

चुनाव आयोग इस बात से चिंतित दिखाई दे रहा है कि देश में लगभग सभी राजनीतिक दल आपराधिक छवि के वाले व्यक्तियों को चुनावी रण में उतार रहे हैं और उनमें से बहुत से जीत भी जाते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में आपराधिक छवि के लोगों को टिकट देने की होड़ लगी है। दूसरी ओर, आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देशभर में वर्तमान और पूर्व सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

न्यायमित्र एवं वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया और वकील स्नेहा कलिता ने कहा है कि दिसंबर, 2018 में वर्तमान और पूर्व सांसदों, विधायकों के खिलाफ 4,122 मुकदमे लंबित थे, जो 1 दिसंबर, 2021 को बढ़कर 4,984 हो गए। कौन नहीं जानता कि तथाकथित वीआईपी व्यक्तियों और माननीयों के विरुद्ध चल रहे केस जल्दी निर्णय की स्थिति में नहीं पहुंचते। उनके पास बाहुबल तो है ही, धन बल के साथ ही वे मामले सर्वोच्च अदालत में पहुंचने में अनेक वर्ष लग जाते हैं।

अब प्रश्न यह है कि मतदाता क्या करे? सभी नागरिक किसी न किसी राजनेता या राजनीतिक दल के प्रभाव में होते ही हैं और उसी अनुसार मतदान करते हैं। य?द्यपि चुनाव आयोग ने नोटा का एक बटन तो बना दिया अर्थात् जिसे कोई भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी पसंद नहीं वह नोटा का बटन दबा दे, पर नोटा की किस्मत क्या होगी, बटन दबाने वाला भी नहीं जानता। पिछली बार पंजाब में ही हजारों लोगों ने नोटा का उपयोग किया, पर परिणाम तो शून्य था। सच्चाई यह है कि अगर जीतने वाले प्रत्याशी से भी अधिक नोटा के पक्ष में बटन दबा दिए जाएं तो भी वही जीतेगा, जिसके पक्ष में मतदान ज्यादा हुआ है। देश को, संसद को, चुनाव आयोग और बुद्धिजीवियों को इस पर मंथन कर कोई निर्णय लेना होगा कि जिन मतदाताओं को किसी भी कारण प्रत्याशी स्वीकार नहीं, वे क्या करें। नोटा का कोई न कोई तो उपयोग तय करना ही होगा।

अब प्रश्न मतदाताओं का है। सभी राजनीतिक दलों के लोग चुनावी घोषणाओं के साथ बड़े-बड़े उपहार और मुफ्तखोरी की घोषणा करते हैं। जो अति वंचित लोग हैं वे तो नौ नकद न तेरह उधार की नीति पर चलते हुए चार दिन दिवाली मना लेते हैं, पर राज्य का, देश का क्या बनेगा। अब भी पंजाब सहित जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, कहीं से यह आवाज नहीं आई कि पीने का शुद्ध पानी मिलेगा। मोटी कीमत खर्च कर बोतलबंद पानी नहीं लेना पड़ेगा। हवा शुद्ध हो जाएगी, प्रदूषण से रोगी नहीं होना पड़ेगा। रोटी सस्ती मिलेगी और रोजगार में हर हाथ को काम व काम के पूरे दाम की नीति अपनाई जाएगी। ठेके की नौकरी पर, आउटसोर्सिंग की चक्की में जवानी को नहीं पिसना पड़ेगा और निराश-हताश देश की जवानी विदेशों में रोटी-रोजी की तलाश में नहीं जाएगी, ऐसी सरकारें पंजाब में या देश में ये राजनेता बनाएंगे। यह तो वे घोषणाएं हैं जो सरेआम हो रही हैं। स्कूटरी की, महिलाओं को एक हजार से पांच हजार रुपये मासिक देने की, बिजली मुफ्त की, किसानों के खजाने में रुपये भेजने की, न जाने कितनी घोषणाएं हैं पर यह तो जनता को सोचना है कि हमने मतदान करना है या मुफ्तखोरी के लालच में अथवा रात के अंधेरों में बंटने वाले हलवे के आधार पर वोट देना है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में यही रास्ता बताया है कि दान देने से पहले दान पात्र की योग्यता भी देखनी चाहिए।

जनता को चाहिए कि कुर्सी के लिए, पार्टी की टिकट के लिए दल बदलने वालों को वोट मत दें। वहीं किसी वस्तु या सुविधा के लालच में वोट देना भी अपने देश, राज्य और लोकतंत्र के साथ धोखा है। अगर वही लोग जीत गए जो धनबल या डंडे के बल से वोट खरीद लेते हैं तो फिर देश में लोकतंत्र नहीं, डंडा तंत्र होगा, भ्रष्टाचार तंत्र होगा तथा भूख-बेकारी और नशों का राज्य होगा।

कटाक्ष/ सहीराम

चुनाव है तो दारू है

इधर दारू ही दारू है। इसलिए नहीं है कि चुनाव हैं। यूं कहने वाले कहते हैं कि चुनाव चस्का हैं तो फिर एक तरह का नशा ही हैं। इसे लोकतंत्र का नशा कह सकते हैं। यह नशा नशा नहीं करता। ठीक है कि चुनाव होते हैं तो दारू होती है। वैसे ही जैसे चुनाव होते हैं तो जाति-धर्म होता है। तरह-तरह के वादे, तरह-तरह दावे होते हैं। विकास होता है। विकास के विज्ञापन होते हैं। उनका खंडन होता है तो मंडन भी होता है। बस, बहस करने वाले मंडन मिश्र नहीं होते। वहां ट्रॉल आर्मी होती है। जहां विरोधी की आलोचना होती है। यहां तक कि गालियां भी होती हैं। अपने नेता का महिमामंडन होता है आत्मश्लाघा होती है, खुद अपनी पीठ ठोंकी जाती है, क्योंकि इस मौके पर दूसरा कोई टांग खींचने तो आ सकता है? पीठ ठोंकने कोई नहीं आता। नेताओं के वादों में भी दारू का सा नशा है। जैसे धर्म और जाति के गौरव में होता है। चुनाव है तो मतदाताओं की इच्छाओं में दारू है। खबरों में दारू है कि जहरीली दारू पीने से कितने मरे। जी हां, जहरीली दारू पीकर लोग आज भी वैसे ही मरते हैं, जैसे लोग आज भी भूख से? गरीबी से मरते हैं, जैसे बच्चे ऑक्सीजन या दवा के बिना मरते हैं। कर्ज के मारे किसान दारू पीकर कम मरते हैं और जहर की गोली खाकर ज्यादा मरते हैं। इस तमाम सात्विक माहौल में दारू चखने का सा काम देती है।

लेकिन चुनाव हों तो दारू होग यह चुनावों की अनिवार्य शर्त नहीं है। चुनाव की संभावना में भी दारू होती है। यूं दारूबंदी पर भी चुनाव लड़े जाते हैं क्योंकि दारूबंदी में ऐसे उद्यम की संभावनाएं छुपी होती हैं, जिसमें लाखों के वारे-न्यारे होते हैं? टैक्स-वैक्स के झंझट से एकदम मुक्त। इधर बिहार तो चर्चित ही दारूबंदी के लिए है। वहां तमाम मुद्दे उसी तरह भुला दिए गए हैं जैसे दारू पीकर लोग अपना गम भूल जाते हैं। लेकिन दारूबंदी में जहरीली शराब पीकर मरने वाले अवश्य ही होते हैं। सो, बिहार में भी हैं। हर महीने दो महीने में होते ही हैं। सो दारू न हो तो भी दारू होती है। इधर नेताओं के भाषणों में दारू है। जहां चुनाव हो रहे हों, वहां नहीं है क्योंकि आचार संहिता है। लेकिन जहां चुनाव नहीं हो रहा है, वहां अवश्य ही दारू है क्योंकि वहां चुनाव होने की संभावना है। जैसे दिल्ली है। दिल्ली में दारू है, और दारू की बातें हैं। दिल्ली को अब अपराध की राजधानी की बजाय दारू की राजधानी घोषित किया जा चुका है। यहां दारू के खिलाफ आंदोलन भी है, लेकिन दारू से कमाई भी है। सिर्फ सरकार की नहीं है। विपक्ष की भी है। इसीलिए आंदोलन चलाने वाले भी दारू के लिए अपनी दुकानें किराए आदि के लिए दे रहे हैं। कमाई शश्वत सत्य है। आंदोलन तो आनी जानी चीज है। जैसे चुनाव आनी जानी चीज हैं।

हिजाब

'पसंद के चुनाव' की तात्पर्यता!

गुरू प्रकाश

हाल में मैंने सोशल मीडिया पर डॉ. शशि थरूर द्वारा लिखित कर्नाटक गवर्नमेंट कॉलेज में लड़कियों के हिजाब पहन कर कॉलेज में प्रवेश पर लगी पाबंदी से संबंधित पोस्ट देखा जिसमें वे ऑक्सफोर्ड इंग्लिश की विशिष्टता लिए अपनी अनूठी शैली में हिजाब की तुलना हिंदुओं के माथे पर तिलक, सिख की पगड़ी और ईसाई द्वारा पहना किए क्रूस से करने को प्रवृत्त हुए हैं। उनका विचार था कि हिजाब पहनने वाली महिलाओं को कॉलेजों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तो किसी दूसरे धातमक चिह्नों को भी अनुमति नहीं होनी चाहिए। कहा कि हमें महिलाओं को तय करने देना चाहिए कि उन्हें हिजाब पहनना है या नहीं, और, सामान्य तौर पर मैं आगे स्क्रॉल करना जारी रखता और उनके धर्मनिरपेक्ष रुख की सराहना करता लेकिन इन दिनों मैं सतीश चंद्र लिखित इतिहास पाठ्यों के कारण मुझमें रोपित अपने स्वयं के ज्ञानात्मक पक्षपातों पर गंभीरता से जूझ रहा हूं।

एनसीईआरटी की किताबों, जो मुझे एक बच्चे के रूप में दी गई थीं, ने मुझमें धर्मनिरपेक्षता की एक विकृत अवधारणा आसवित की, जहां अच्छा और परिष्कृत व्यक्ति होने के नाता विशेष अचेतन तुष्टिकरण से जुड़ा थार बल्कि सभी प्रकार की मुस्लिम प्रथाओं के लिए औचित्य खोजना और इस मामले में अपरिहार्य का बचाव करना ध्येय था। हिजाब! जैसा कि हमें बताया गया था, शालीनता का परिधान होता है, या कहें कि संस्कृति विशिष्ट पोशाक है, जिसे कुछ महिलाएं अपनी पसंद से चुनती हैं, जिसकी तुलना पैंट-सूट छोड़ साड़ी पहनने के चुनाव से की जा सकती है। लेकिन क्या हिजाब वाकई इतनी सीधी-सादी हानिरहित पोशाक है? या हमारी छद्म धर्मनिरपेक्षता हमें दूध को दूध और पानी को पानी कहने से रोकती है? हिजाब लैंगिक भेदभावपूर्ण प्रथाओं की परिणति है जो धातमक विश्वास से सिंचित होकर नैतिक स्वीकृति और सामाजिक आज्ञाकारिता प्राप्त करता है।

हिजाब शारीरिक रूप से महिलाओं को दुनिया के साथ स्वतंत्र रूप से बातचीत करने से नहीं रोकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि हिजाब पहनने वाली महिला अपने को अलग महसूस करने हेतु धर्म द्वारा सामाजिक रूप से प्राणुकूलित होती हैं। डॉक्टर या वैज्ञानिक या व्यवसायी महिला बनना आसान नहीं है। हिजाब पहने हुए तो यह नितवाद रूप से और भी कठिन है। महिलाओं के लिए यह जितना कठिन होगाग शिक्षा या रोजगार के क्षेत्र में आपको उतनी ही कम महिलाएं मिलेंगी। हिजाब धर्म तंत्रानुसार बाध्यातित और मोर्चाबंद पुरुष-आधिपत्य का प्रतीक है, जिससे कुछ सरकारी कॉलेज लड़ने की कोशिश कर रहे थे। उनके प्रगतिशील इरादों को छद्म धर्मनिरपेक्षवादियों के शोर-शराबे ने दबा दिया है। जो महिलाएं हिजाब पहनकर कॉलेजों में जाने की गुहार लगा रही हैं, क्या वे वास्तव में अपनी पसंद की स्वतंत्रता का प्रयोग करने में सक्षम हैं, जैसा चित्रण थरूर ने करने की कोशिश की है। क्या वे अपने समाज के बुजुर्गों को बता पातीं कि कॉलेज में हिजाब नहीं पहनना चाहतीं और तब यह एक गैर-मुद्दा होता। सच्चाई यह है कि उनके समाज के 'बुजुर्गों' ने उन लड़कियों के कॉलेज जाने की चाहत परग हिजाब पहनने की अपरक्राम्य अनिवार्यता निर्धारित की हुई है। महिलाएं कॉलेज के अधिकारियों से गुहार लगा रही हैं क्योंकि उनके पास उनके अपने ही सामाजिक-धातमक परिवेश के खिलाफ 'अपनी पसंद का चुनाव' करने का कोई विकल्प नहीं है।

अपने इन तर्कों के साक्ष्य के रूप में मैं उन्हीं महिलाओं में से एक के तथ्यात्मक वक्तव्य का उल्लेख कर रहा हूं जिसमें वह कह रही है, 'मैं अपने खुले बाल अपने भाई तक को नहीं दिखाती हूं तो गैर-मर्दों को कैसे दिखाऊं।' क्या यह वक्तव्य नहीं दर्शाता कि उक्त महिला अपने 'बुजुर्गों' द्वारा अपने ऊपर थोपी गई दीर्घकालिक धातमक बाध्यता को अपना प्रारब्ध स्वीकार चुकी है? क्या ऐसी मानसिकता लिए कोई महिला 'अपनी पसंद के चुनाव' की स्वतंत्रता के प्रयोग में सक्षम हो सकती है? तो! इसलिए! श्रीमान थरूर, कृपया हिजाब की 'पसंद के चुनाव' की तात्पर्यता के तर्क न दें! ऐसे किसी मसौदे का अस्तित्व ही नहीं है। धर्म शून्य में मौजूद नहीं होता। यह उस व्यवहार से गहराई से जुड़ा होता हैग जिसे व्यक्ति प्रथा में लाता है, और यह उस समाज को गुण और चरित्र प्रदान करता है। राज्य को धर्म के दोषनिवृत्ति में दृढ़ रहना चाहिए और तुष्टीकरण की राजनीति के बहकावे में नहीं आना चाहिए। हमें एक ऐसे समाज को लक्षित रखना चाहिए जहां जेंडर-भेदभाव न्यूनतम हो और इस दृष्टिकोण से हिजाब को सिर्फ लैंगिक सौंदर्यशास्त्र में अंतर तक सीमित नहीं किया जा सकता। थरूर जैसे लोग, जो इस परिधान के अहितकारी स्वरूप को पहचानने से इनकार करते हैं, राष्ट्र और उस समाज के लिए बहुत बड़ा नुकसान करते हैग जिसे हम बनाने की कोशिश कर रहे हैं, और इस हेतु मैं सिर्फ निवेदन कर सकता हूं। ज्ञानपूर्ण स्त्री और पुरुष, चौंधियाने वाली अंग्रेजी में तर्क से नारी शक्ति की उन्नति हेतु की जा रहीं ऐतिहासिक कोशिशों को दिग्भ्रमित करने की कोशिशों को पहचानने, समझने और उन पर काबू पाने में सक्षम हैं।

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.

- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

आम्रपाली गुप्ता ने नागिन 6 के लिए

एकता कपूर को धन्यवाद दिया

अभिनेत्री आम्रपाली गुप्ता को ऐसे किरदार निभाने में मजा आता है जो या तो मजाकिया हों या ग्रे। वह नागिन 6 शो में एक प्रमुख भूमिका निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री को नागिन 6 के एक स्टैंडअलोन प्रचार एपिसोड में देखा गया था, उन्होंने नागिन 6 के प्रचार एपिसोड में मिली प्रशंसा के बारे में बात की। मैं हमेशा ऐसे पात्रों की तलाश करता हूं जो शो में मनोरंजक हों और जिनके बारे में बात की जाए। मैं अपने वास्तविक जीवन में भी बहुत मनोरंजक हूं। मुझे खुद को किसी ऐसी चीज में शामिल करने में मजा आता है जो लोगों को हंसाती है या पागल करती है। इसी तरह, नागिन 6 प्रचार एपिसोड में मेरी उपस्थिति को दर्शकों ने खूब सराहा और यह बहुत ही रोचक और चुनौतीपूर्ण था। मुझे एक कलाकार के रूप में प्रयोग करना पसंद था। आम्रपाली मेकर्स और टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर की शुक्रगुजार हैं। वह आगे कहती हैं कि मुझे खुशी है कि एकता जी ने मुझे इस तरह की एक प्रसिद्ध श्रृंखला का हिस्सा बनने का मौका दिया। मैं उनके और अधिक शो में काम करना चाहती हूं।

माथे पर बिंदी और बालों में गुलाब सजा

ब्यूटी क्वीन बनी आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनोंअपनी अपकमिंग फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए वह एकसे बढ़कर एक साड़ी लुक्स को चुन रही हैं जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। वहीं एक बार आलिया ने अपने साड़ी लुक्स के फैंस का दिल चुरा लिया है। आलिया व्हाइट स्लिक साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग स्वीलेस ब्लाउज पेयर किया है। फिल्म से जुड़े अपने किरदार को ध्यान में रखते हुए आलिया ने बालों में रेड गुलाब लगाए हैं। मिनिमल मेकअप,माथे पर बिंदी, रेज लिप्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। वह कैमरे के सामने स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रही हैं। आलिया भट्ट इन तस्वीरों में अप्सरा से बिल्कुल भी कम नहीं लग रही हैं। उनके हुस्न के आगे तो सारा जमाना फीका सा नजर आ रहा है। इससे पहले भी आलिया भट्ट ने फिल्म के प्रमोशन के लिए व्हाइट साड़ी लुक को अपनाया था। बालों में गजरा और माथे पर बिंदी लगाए वो किसी परी से कम नहीं लगीं।

दिशा परमार ने बड़े अच्छे लगते हैं 2 को

मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात की

बड़े अच्छे लगते हैं 2 की अभिनेत्री दिशा परमार ने शो को मिल रहे प्यार के बारे में खुलकर बात की। शो में वह प्रिया कपूर की मुख्य भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। शो की कहानी दशार्ती है कि सच्चा प्यार कैसे रास्ता ढूंढता है और जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बन जाता है। दिशा कहती हैं की राम ने प्रिया के लिए अपने प्यार को कबूल कर लिया है, लेकिन आगे जो है वह एक दिलचस्प मोड़ होगा और मुझे आशा है कि दर्शक उसका आनंद लेंगे। मुख्य कलाकार दिशा परमार और नकुल मेहता ने प्रिया और राम के रूप में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। उनहोंने कहा कि यह उन सभी प्रशंसकों के लिए एक ट्रीट है जो लगातार प्यारभरे संदेश भेज रहे हैं कि वे हमारे समीकरण से कितना प्यार करते हैं और वे इस समय राम और प्रिया के एक साथ आने का इंतजार कर रहे है। मुझे लगता है कि यह सब दर्शकों और उनके प्यार के कारण है। इसलिए यह निश्चित रूप से उनके लिए एक रिटर्न गिफ्ट है कि आखिर में राम प्रिया को एक साथ देखें। बड़े अच्छे लगते हैं 2 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

सफल रिश्ते की कुंजी

कम्यूनिकेशन होता है -दीपिका

वैलेंटाइन डे से कुछ दिन पहले उनकी फिल्म गहराइयां रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉलीवुड सुपरस्टार दीपिका पादुकोण ने एक अच्छे और स्वस्थ रिश्ते की कुंजी साझा की है। अभिनेत्री ने इस बारे में भी बात की है कि प्यार में कैसा महसूस होता है। वह कहती है कि उनके लिए प्यार विश्वास, दोस्ती, साहचर्य है। एक रिश्ते को वस्थ और सफल बनाने के लिए क्या करना चाहिए, इस बारे में खुलकर बातचीत में करते हुए दीपिका ने जवाब दिया- संचार (कम्यूनिकेशन)। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एक रिश्ते में ईमानदार संचार अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह आवश्यक नहीं है कि एक रिश्ते में दो लोग हमेशा एक ही पृष्ठ पर हों। जरूरी नहीं कि उन्हें सभी बिंदुओं पर एक-दूसरे से सहमत होना पड़े, लेकिन मुझे लगता है कि संवाद करना चाहिए जिस तरह से आप कुछ चीजों के बारे में महसूस करते हैं और उसके बारे में ईमानदार होते हैं। दीपिका कहती हैं कि संचार अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभिनेत्री ने कहा कि यहां तक कि अगर तर्क और असहमति भी हो। इसलिए, मुझे लगता है कि एक अच्छे या स्वस्थ रिश्ते की कुंजी संचार है। दीपिका और रणवीर ने सोशल मीडिया पर अपने लगातार रोमांस से भरे आदान-प्रदान के साथ प्यार क्या है, इसका चमार्क सेट किया है। यह पूछे जाने पर कि प्यार में कैसा महसूस होता है, दीपिका ने साझा किया कि मुझे लगता है कि प्यार अपने आप में एक बहुत ही बोझिल और जटिल शब्द है। प्यार का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए बहुत सारी अलग-अलग चीजें हैं। हर उम्र में प्यार की अलग परिभाषा होती है। दीपिका वर्तमान में अपने आगामी रोमांटिक ड्रामा गहराइयां की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जो प्यार और जटिल मानवीय रिश्तों के बारे बात करती है। फिल्म 11 फरवरी को प्राइम वीडियो पर डिजिटल रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म में अपने किरदार अलीशा के बारे में बात करते हुए दीपिका ने कहा कि यह उनकी कहानी है। मुझे दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

कामना के अभिनेता अभिषेक रावत का कहना है कि पिता नींव होते हैं

टीवी अभिनेता अभिषेक रावत ने अपने अनुभव को साझा किया कि वह ऑन और ऑफ स्क्रीन एक पिता होने के लिए कितना धन्य महसूस करते हैं। अपने बच्चों के जीवन में एक पिता द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका के बारे में बात करते हुए, अभिनेता अभिषेक ने कहा कि यथार्थ की बात करें तो मानव एक दयालु पिता है। मैं चरित्र से बहुत अधिक संबंधित हो सकता हूं क्योंकि यह मुझसे जुड़ा है, क्योंकि मेरी भी एक प्यारी बेटी है। जो मेरे लिए एक दोस्त की तरह है। मेरा मानना है कि एक पिता एक परिवार और बच्चों के जीवन में एक माँ की तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि मानव अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करता है क्योंकि वह उसकी खुश जगह हैं और उनकी दुनिया वहीं से शुरू और खत्म होती है। आकांक्षा के जाने के साथ, मानव का दिल टूट जाता है लेकिन वह अपनी भावनाओं को यथु की खातिर एक तरफ रखता है। क्योंकि वह नहीं चाहता कि वह इससे प्रभावित हों। अभिनेता को खुशी है कि शो के माध्यम से एक पिता और पुत्र के बंधन को प्रदर्शित किया जा रहा है। कामना सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

संजना की उलझे हुए

11 फरवरी को होगी रिलीज

दिल बेचारा की अभिनेत्री संजना सांघी 11 फरवरी को रिलीज होने वाली आगामी शॉर्ट फिल्म उलझे हुए में नजर आएंगी। फिल्म में अभय वर्मा भी हैं। यह एक प्रेम कहानी है, जो एक अंतर्मुखी दृश्य कलाकार रसिका के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक सतीश राज कासिरेड्डी ने कहा कि उल्जे हुए एक ऐसी प्रेम कहानी है, जिसे दर्शक अपने साथ जोड़ सकेंगे और संजो कर रख सकेंगे। लघु फिल्म अत्यधिक विश्वसनीय कलाकारों द्वारा बनाई गई है। फिल्म का प्रीमियर अमेजन मिनी टीवी पर होगा।

सोनू फिर बने मसीहा

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने कोरोना की वजह से लगे लॉकडाउन में लोगों की दिल खोलकर मदद की। सोनू सूद ने कई लोगों को उनके घरों तक पहुंचाया, कई लोगों की आर्थिक साहयता भी की। वहीं अब सोनू सूद ने एक बार फिर एक शख्स के लिए मसीहा बनकर सामने आए। दरअसल, पंजाब में एक युवक कार दुर्घटना के बाद गाड़ी के अंदर फंस गया था। इसी दौरान मौके से गुजर रहे सोनू सूद ने दुर्घटनाग्रस्त कार को देखा तो उन्होंने अपनी गाड़ी रूकवाई और दौड़ते हुए युवक की मदद करने के लिए पहुंच गए। सोनू सूद ने एक्सीडेंट में घायल युवक को खुद बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाकर इलाज भी करवाया। वक्त पर मदद मिल जाने की वजह से युवक की जान बच गई। फिलहाल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है। यह दुर्घटना देर रात मोगा-बठिंडा रोड पर हुई थी। तेजी से आ रही दो कारें एक दूसरे से टकरा गई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी का सेंटर लॉक लग गया। इस वजह से गाड़ी के अंदर दो युवक फंस गए। बताया जा रहा है कि सोनू सूद अपनी बहन और कांग्रेस उम्मीदवार मालविका सूद मोगा के लिए चुनाव प्रचार करने के बाद मंगलवार रात वापस जा रहे थे।

गुरमीत-देबिना बनने वाले हैं पेरेंट्स

टीवी के राम-सीता यानी गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी के घर जल्द ही किलकारिया गूंजने वाली है। गुरमीत और देबिना जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। कपल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए यह खुशखबरी फैंस को दी है। गुरमीत चौधरी ने अपनी पत्नी देबिना संग एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के आउटफिट पहने नजर आ रहे हैं। तस्वीर में देबिना का बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो भी साफ देखा जा सकता है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए गुरमीत ने कैप्शन में लिखा, हम तीन होने जा रहे हैं। चौधरी जूनियर जल्द आ रहा है। हमें आपका आशीर्वाद चाहिए। कपल के इस अनाउंसमेंट के बाद सेलेब्स और फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। बता दें कि देबिना और गुरमीत एक टैलेंट शो में पहली बार एक-दूसरे से मिले थे। टीवी शो रामायण के दौरान दोनों का बॉन्ड काफी मजबूत गया था। करीब 5 साल के एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 2011 में शादी की थी।

भारत और वेस्टइंडीज तीसरे वनडे: तीसरे वनडे में धवन की होगी वापसी

भारत की नजरें वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ करने पर

वींसटाउन। (एजेंसी)।

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज के खिलाफ औपचारिकता के तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में भारत की नजरें 'क्लीन स्वीप' पर होंगी जबकि शिखर धवन की वापसी को बल्लेबाजी को और मजबूती मिली है। पहले दो मैचों में भारत ने आसान जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज धवन समेत चार खिलाड़ी वनडे श्रृंखला शुरू होने से पहले कोरोना पॉजिटिव पाये गए थे। अब धवन के लौटने के बाद विजयी टीम संयोजन में बदलाव किया जा सकता है। उनकी गैर मौजूदगी में पहले मैच में ईशान किशन ने और दूसरे में ऋषभ पंत ने पारी का आगाज किया। दूसरे मैच में 44 रन से मिली जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि धवन आखिरी मैच खेलेंगे।उन्होंने कहा था ,'' शिखर अगला मैच खेलेगा। बात हमेशा नतीजे की नहीं होती। उसे मैदान पर समय बिताने की जरूरत है।'' इसके मायने है कि उपकप्तान केएल राहुल फिर मध्यक्रम में विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी करेंगे।

दूसरे मैच में नौ विकेट पर 237 रन ही बना सकी भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने पर बड़ा स्कोर बनाना होगा। रोहित पिछले मैच में नहीं चल सके लेकिन वह और धवन लय में होने पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं। पंत और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में उतरेंगे। सूर्यकुमार ने पिछले मैच में 64 रन बनाकर अपनी जगह सुरक्षित रखी है। धवन के लिये हरफनमौला दीपक हुड्डा को जगह बनानी होगी। यह देखना होगा कि चयन के लिये उपलब्ध श्रेयस अय्यर अंतिम एकादश में होते हैं या नहीं। भारतीय गेंदबाजों ने पहले दोनों मैचों में शानदार प्रदर्शन करके वेस्टइंडीज को 176 और 193 रन पर रोक दिया। अब श्रृंखला जीतने के बाद टीम प्रबंधन कुछ बदलाव करके नये खिलाड़ियों को मौका दे सकता है।

बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव चोट से उबरने के बाद वापसी को बेताब हैं। उन्हें या लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को उतारा जा सकता है। ऐसा होने पर युजवेंद्र चहल या वाशिंगटन सुंदर बाहर हो सकते हैं। इंदौर के तेज गेंदबाज आवेश खान भी मौका मिलने के इंतजार में है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने चार विकेट लिये और शार्दुल ठाकुर ने भी अच्छी गेंदबाजी की लिहाजा उन्हें बाहर करने की उम्मीद कम है। आवेश के खेलने पर मोहम्मद सिराज को बाहर रहना होगा। दूसरी ओर वेस्टइंडीज प्रतिष्ठा बचाने के लिये खेलेगी। पिछले 17 मैचों में वह 11वीं बार पूरे 50 ओवर नहीं खेल सकी। कप्तान कीरोन पोलार्ड और हरफनमौला जैसन होल्डर को जिम्मेदारी से खेलना होगा। शाई होप, ब्रेंडन किंग और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। तेज गेंदबाजों ने दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्पिनरों की भूमिका अहम रहेगी।

टीमें

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), मयंक अग्रवाल, रुतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान।

वेस्टइंडीज : कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फैबियन एलेन, एनक्रुमाह बोनर, डेरेन ब्रावो, शामार ब्रुक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेपर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर। मैच भारतीय समयानुसार एक बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

अजिंक्य रहाणे का झलका दर्द, कहा- ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक जीत का श्रेय किसी और को दिया गया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में लगातार दूसरी बार टेस्ट सीरीज में हराया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 4 मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-1 से जीतकर इतिहास रचा। इस सीरीज के दौरान विराट कोहली पहले टेस्ट मैच के बाद वापिस भारत लौट आए थे और उनकी जगह अजिंक्य रहाणे को टीम को कप्तानी सौंपी गई थी। रहाणे ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने दर्द को बयां किया कि कैसे उन्हें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक जीत का क्रेडिट नहीं दिया गया।

रहाणे ने कहा कि उस टेस्ट सीरीज के दौरान मैदान और ड्रेसिंग रूम में कई बोल्ड फैसले लिए गए थे पर इसका क्रेडिट किसी और ने लिया। मुझे पता है ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान मैंने क्या किया था। मैंने उस दौरान कुछ ऐसे फैसले लिए जिसका श्रेय किसी और ने ही लिया। पर यह मेरा स्वभाव नहीं है कि मैं खुद जाकर श्रेय लूं। मेरे लिए सीरीज जीतना अधिक महत्वपूर्ण था। यह टीम जीत थी और यह काफी मायने रखती है।

रहाणे ने इस समय खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और उन पर टीम से बाहर जाने का खतरा बना हुआ है। रहाणे ने आगे कहा कि जब लोग कहते हैं कि मेरा करियर खत्म हो गया है तो सिर्फ मुस्कुरा देता हूं। क्योंकि जो लोग इस खेल को जानते हैं वह इस तरह की बातें नहीं करते। टेस्ट क्रिकेट में मेरे योगदान और इस खेल को प्यार करने वाले लोग मेरी बात जरूर समझेंगे।

गौर हो कि साल 2020-21 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया गई थी। जहां एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पूरी भारतीय टीम 36 रन पर ऑलआउट हो गई थी। वहीं तब भारतीय टीम के कप्तान रहे विराट कोहली बेटी वामिका के जन्म के लिए भारत वापिस आए। विराट के वापिस आने के बाद रहाणे ने भारतीय टीम की कमान संभाली और 0-1 से पिछड़ने के बाद सीरीज में 2-1 ऐतिहासिक जीत हासिल की।

रोहित शर्मा ने तोड़ा विराट कोहली और कपिल देव का रिकॉर्ड, हासिल की बड़ी उपलब्धि

अहमदाबाद (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में टीम इंडिया को जीत दिलाकर बतौर कप्तान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रोहित सबसे कम मैच में 10 जीत हासिल करने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं।

रोहित ने अब तक 12 वनडे मैच में भारतीय टीम की कप्तानी की है, जिसमें दसवीं जीत मिली है। उनकी कप्तानी में जीत का प्रतिशत 83.33 रहा है। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था, जिनकी कप्तानी में भारत को 13 वनडे में दसवीं जीत मिली थी। विराट के बाद कपिल देव (15), मोहम्मद अजरुद्दीन (17), सौरव गांगुली (19), राहुल द्रविड़ (20), एमएस धोनी (22), सचिन तेंदुलकर (29) और सुनील गावस्कर (33) इस लिस्ट में शामिल हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में रोहित बल्ले से कमाल नहीं कर सके और 8 गेंद में सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। पहले वनडे में उन्होंने 51 गेंदों में 60 रनों की शानदार पारी खेली थी। दूसरे वनडे में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 237 रन बनाए जबकि इसके जवाब में वेस्टइंडीज 46 ओवर में 193 रनों पर ढेर हो गई।

धर्मशाला स्टेडियम में 26 व 27 मार्च को खेले भारत-श्रीलंका टी20 मुकाबले

स्टेडियम में दर्शकों को नहीं मिलेगा प्रवेश

धर्मशाला। भारत दौरे पर आ रही श्रीलंकाई टीम भारत दो टी20 मैच हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेलेगी। इन दोनो ही मैचों में दर्शकों को प्रवेश नहीं मिलेगा। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट (एचपीसीए) के डारेक्टर और बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए धर्मशाला में होने वाले यह दोनों ही मैच खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। साथ ही कहा कि सीरीज के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसमें 15 मार्च को एक मात्र मैच धर्मशाला में होने की जगह अब दो मैच 26 व 27 मार्च को खेलें जाएंगे। ऐसे में इन मैचों की तैयारियों के लिए एचपीसीए लग गया है। इसी के तहत ही धर्मशाला स्टेडियम व पिच को तैयार किया जा रहा है। मैच 15 मार्च की जगह 26-27 को री-शेड्यूल होने से 15 दिन पहले मैच होंगे। ऐसे में जो कार्य एचपीसीए व पिच क्यूरेटर को 15 दिन बाद पूरी तरह से तैयार करना था, उसे अभी जल्द से जल्द करना पड़ रहा है। बीसीसीआई के अनुसार टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ में 24 फरवरी को खेला जाएगा, जबकि अगले दो मुकाबले धर्मशाला में 26 व 27 फरवरी का खेले जाएंगे। इसके बाद श्रीलंका टीम इंडिया के साथ दो टेस्ट मैच खेलेगी, जो मोहाली और बंगलूर में आयोजित किए जाएंगे।

आईसीसी रैंकिंग में रोहित तीसरे जबकि विराट दूसरे स्थान पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के प्रारुप के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। रोहित को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी से अहम रेटिंग अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही उनका पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ रेटिंग अंतर कम हो गया है। विराट अभी भी दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। विराट के 828 रेटिंग अंकों के मुकाबले रोहित के नाम 807 रेटिंग अंक हैं। वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष स्थान पर कायम हैं जबकि उनके ही साथी खिलाड़ी फखर जमां और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। वेस्टइंडीज के शाई होप शीर्ष-10 से बाहर हो गए हैं। दूसरी ओर गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसमें भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 7वें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा आठवें स्थान पर हैं जबकि भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में अर्धशतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर चार स्थान के सुधार के साथ ही शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की सूची में ओमान के जतिंदर सिंह 26 स्थानों के लाभ के साथ ही शीर्ष 100 में पहुंच गए हैं।

रहाणे, पुजारा सहित चार खिलाड़ियों का करियर समाप्त होने की ओर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम के चार सीनियर खिलाड़ियों का करियर समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है। घरेलू जमीन पर श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इन खिलाड़ियों को जगह मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आती है। ये खिलाड़ी हैं पूर्व उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे , बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा , तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'चयनकर्ता कुछ उभरते हुए खिलाड़ियों को आजमाना चाहते हैं। खिलाड़ियों को व्यक्तिगत तौर पर चयनकर्ताओं ने इस बारे में संकेत भी दिये हैं। कोच राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन से बात के बाद यह तय किय गया है।

रहाणे और पुजारा पिछले 2 साल से टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इन दोनो को ही रणजी ट्रॉफी में खेलकर फॉर्म हासिल करने के लिए कहा गया है। दोनों खिलाड़ी अपनी राज्य टीम से फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट में उतर रहे हैं। यहां उनके प्रदर्शन के आधार पर ही उनका आगे का करियर निर्भर करेगा। वहीं इशांत और साहा की उम्र अब बढ़ती जा रही है। ऐसे में इन दोनो की जगह युवाओं को अवसर मिलना तय है। चयनकर्ताओं को लगता है कि इशांत और साहा दोनों का अच्छा समय बीत गया है। इन दोनो ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर अब इनसे आगे बढ़ने का समय आ गया है।

निशानेबाजी करते दिखे धोनी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र से पहले यहां जेएससीए स्टेडियम में निशानेबाजी का अभ्यास करते दिखे। इससे पहले धोनी ने टेनिस भी खेला। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें धोनी निशानेबाजी करते नजर आ रहे हैं। धोनी ने जेएससीए स्टेडियम में नेट अभ्यास भी किया। उनकी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं जिसमें वह नेट्स पर पसीना बहाते दिख रहे हैं। इसी दौरान तरोताजा होने के लिए वह निशानेबाजी भी करते दिखे।

धोनी ने अभ्यास के दौरान युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभवों को भी साझा किया। आईपीएल में 4 बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत दिलाने वाले धोनी का लक्ष्य इस बार भी टीम को जीत दिलाना रहेगा। .आईपीएल के अगले सत्र से पहले 12-13 फरवरी को बेंगलुरु में मेगा नीलामी होगी। इसके लिए चेन्नई टीम ने धोनी सहित अपने 3 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। धोनी को जहां 12 करोड़ में रिटेन किया गया है तो वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को 16 करोड़ रुपये की सबसे ज्यादा राशि मिली है। वहीं इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली को 6 करोड़ रुपये में बरकरार रखा है। सीएसके का लक्ष्य नीलामी में कुछ और बेहतरीन खिलाड़ियों को जोड़ना रहेगा।

आईपीएल से अफगानिस्तान सहित 12 देशों के खिलाड़ी बने करोड़पति

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के लिए आने वाले दिनों में नीलामी होने वाली है। इसमें भारत सहित दुनिया भर के देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं। लीग में भारत के अधिक खिलाड़ियों को मौका मिलता है. पर इसके बाद भी आईपीएल की कमाई से अब तक 12 देशों के खिलाड़ी करोड़पति बन गये हैं। इतना ही नहीं अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने पैसे के मामले में पाकिस्तान के क्रिकेटरों को भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल में पाकिस्तान के खिलाड़ियों के प्रवेश पर रोक है। आईपीएल के इस सत्र की ही बात करें तो अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान को गुजरात टाइटंस ने 15 करोड़ रुपए में अपनी टीम से जोड़ा है। राशिद दुनियाभर की टी20 लीग में खेलते हैं। उनके नाम 400 से अधिक विकेट भी हैं। राशिद ने टी20 लीग से अब तक 55 करोड़ रुपए कमाये हैं। नीलामी में अफगानिस्तान के 17 खिलाड़ी शामिल हैं।आईपीएल की साल 2008 में हुई नीलामी में पाकिस्तान के 11 खिलाड़ी उतरे थे। इसमें पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी से लेकर तेज गेंदबाज शोएब अख्तर तक शामिल थे। उस समय अफरीदी को सबसे ज्यदा 2.70 करोड़ रुपए मिले थे। इसके अलावा मोहम्मद आसिफ, शोएब मलिक, यूनिस खान, उमर गुल, कामरान अकमल, मिस्बाह-उल-हक, मोहम्मद हफीज, सलमान बट और सोहेल तनवीर भी नीलामी में उतरे थे।

भारतीय टीम ने द.अफ्रीका को उसी के घर में 10-2 से हराकर किया शर्मसार

पोटचेफस्ट्रूम (एजेंसी)।

टोक्यो ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 10-2 से रौंद कर एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

जुगराज सिंह ने लगाई हैट्रिक

अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे युवा भारतीय ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह ने गोलों की हैट्रिक लगा कर टीम को यह बड़ी जीत दिलाई। उन्होंने चौथे, छठे और 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए तीन गोल दागे। उनके अलावा युवा फॉरवर्ड गुरसाहिबजीत सिंह (24, 36) और दिलप्रीत सिंह (25, 58) ने दो-दो, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड मनदीप सिंह (27), युवा डिफेंडर अभिषेक लाकड़ा (12) और उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह (2) ने एक-एक गोल किया।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। हरमनप्रीत ने दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल का खाता खोला। चौथे मिनट में मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर को जुगराज ने गोलपोस्ट में भेजा और महज चार मिनट में ही 2-0 की बढ़त ले ली। फॉर्म में दिख रहे जुगराज यहीं नहीं रुके और छठे मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने 12वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दाग कर पहले क्वार्टर का 4-0 के मजबूत स्कोर पर समापन किया।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम और ज्यादा घातक नजर आई और एक के बाद एक गोल दागा और दक्षिण अफ्रीका का डिफेंस मूकदर्शक बना रह गया। जबरदस्त लय में दिख रहे जुगराज ने 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर दूसरे क्वार्टर का खाता खोला। इसके बाद गुरसाहिबजीत, दिलप्रीत और मंदीन ने क्रमशः 24वें, 25वें और 27वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागे। परिणामस्वरूप 5-0 की बढ़त चंद मिनटों में 8-0 हो गई।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी इसी तरह हुई। गुरसाहिबजीत ने 36वें मिनट में फील्ड गोल दागा और बढ़त को 9-0 कर दिया। इस बीच गोल की तलाश में बेताब दिख रहे दक्षिण अफ्रीका ने रणनीति बदली और पलटवार करते हुए 44वें और 45वें मिनट में लगातार दो गोल दागे, जो क्रमशः डिफेंडर डेनियल बेल और फॉरवर्ड रिचर्ड पुत्ज के नाम रहे, लेकिन ये गोल केवल हार का अंतर कम करने के काम आए। चौथा क्वार्टर और मैच खत्म होने से पहले दिलप्रीत ने 58वें मिनट में शानदार फील्ड गोल लगाया और टीम की 10-2 से जीत सुनिश्चित की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पाक ने घोषित की टीम, रउफ की वापसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय दल घोषित कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ रावलपिंडी, लाहौर और कराची में तीन टेस्ट मैच रखे गये हैं। पाकिस्तान ने इस अहम दौरे के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव करते हुए तेज गेंदबाज हारिस रउफ को टीम में शामिल किया है। इससे पहले उन्हें पिछले साल दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई सीरीज के दौरान टीम में जगह नहीं मिली थी। वहीं शान मसूद को आबिद अली की जगह जबकि यासिर शाह को रिजवं पूल में रख गया है। इसके साथ ही पाक सुपर लीग (पीएसएल) नहीं खेल रहे खिलाड़ियों को 16 फरवरी को कराची में नेशन कैंप में शामिल होने के लिए कहा गया है।

देशभर में सिंगल नोडल एजेंसी की पहल करने वाला इकलौता राज्य बना गुजरात

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक नई पहल के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को अविलंब और पारदर्शिता के साथ सीधी वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रणाली की गुरुवार को गांधीनगर से शुरुआत की। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत सरकार राज्य को इमरजेंसी कोविड रिस्पॉन्स पैकेज, आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन तथा 15वें वित्त आयोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं के तहत वार्षिक लगभग 4,000 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान करती है।

राष्ट्रीय बालिका सुरक्षा योजना, टीबी रोग नियंत्रण एवं उपचार की दवाएं तथा अंधत्व एवं दृष्टि दोष निवारण जैसी विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं का भी इसमें समावेश होता है। ऐसी विभिन्न बुनियादी स्वास्थ योजनाओं की सहायता का लाभ नागरिकों को आसानी से उपलब्ध कराने के लिए स्टेट नोडल एजेंसी (एसएनए) के इलेक्ट्रॉनिक फंड फ्लो एप्लीकेशन-2 के पूरे देश में पहली बार अपनाए गए इस मॉडल-2 को मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया। इसके परिणामस्वरूप अब योजनागत लाभ एवं सहायता की राशि एक क्लिक पर सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में पहुंच जाएंगे। आम तौर पर लाभार्थी को जो सहायता मौजूदा समय में लगभग चार-पांच सप्ताह में मिलती है, वह इस नई प्रणाली के चलते अब एक सप्ताह में ही मिल जाएगी। भूपेंद्र पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ सचिवों की उपस्थिति में इस एप्लीकेशन को लॉन्च किया। अपनी तरह के इस नवीनतम मॉडल-2 को लॉन्च करने वाला गुजरात देशभर में इकलौता राज्य है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की विभिन्न बुनियादी स्वास्थ्य योजनागत सहायता नागरिकों को आसानी से मिल सके उसके लिए राज्य द्वारा इस फंड का समुचित आयोजन कर बजट के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाता है। जिसके अनुसार आवंटित की जाने वाली रकम को राज्य सरकार द्वारा अब तक अलग-अलग संस्थानों को उनके अलग-अलग बैंक खातों में भेजा जाता था। इसके परिणामस्वरूप विभागीय, जिला और तहसील स्तर तक अनुदान-सहायता के आवंटन में भी विलंब के कारण लाभार्थी को मिलने वाली सहायता या लाभ को पहुंचाने में काफी समय लग जाता था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल के दिशानिर्देश में राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के अंतर्गत मिलने वाले फंड के लिए आवंटन और देखरेख के कार्य के उद्देश्य से सिंगल नोडल एजेंसी (एसएनए) के तौर पर स्टेट हेल्थ सोसायटी-गांधीनगर को नियुक्त कर इस इलेक्ट्रॉनिक फंड फ्लो एप्लीकेशन मॉडल-2 की शुरुआत की है। देशभर में एकमात्र गुजरात द्वारा शुरू किए गए इस मॉडल के कारण सभी वित्तीय लेनदेनों की प्रक्रिया सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पोर्टल पर स्वचालित रूप से संपन्न हो जाएगी।

हरामी नाला के निकट से 9 पाकिस्तानी नौका बरामद होने के बाद जांच में जुटी बीएसएफ

कच्छ । कच्छ में अतिसंवेदनशील माने जानेवाले हरामी नाले में पाकिस्तान की 9 नौकाएं लावारिस हालत में मिलने से हड़कम्प मच गया है। घुसपैठ के लिहाज से बेहदह संवेदनशील माने जाते हरामी नाला क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान सर्च ऑपरेशन कर रही थी, उस वक्त पाकिस्तान की 9 नौकाएं बरामद हुई हैं। नौका बरामद होने के बाद बीएसएफ ने इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। बता दें कि गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ का हरामी नाला घुसपैठ के लिहाज से काफी संवेदनशील है। यह इलाका दलदल और छिछलेपानी से भरा है। इस इलाके को आम लोगों के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। यहां 8 किलोमीटर लंबा खतरनाक दलदल है। इस क्षेत्र में पहले भी कई बार पाकिस्तान की लावारिस नौका पकड़ी गई हैं। गुजरात-पाकिस्तान सीमा स्थित हरामी नाला के जरिए पाकिस्तान की ओर से आए दिन घुसपैठ की कोशिश की जाती है और पकड़ी जाती है। हरामी नाला से फिर एक बार पाकिस्तान की 9 नौकाएं बीएसएफ ने पकड़ी है। ये सभी नौकाएं भारतीय सीमा से जब्त की गई हैं। पाकिस्तानी नौकाओं में सवार लोग कहां गए हैं, इसकी तलाश की जा रही है। इसी के साथ बीएसएफ ने ऐसी अन्य बोट के लिए भी सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने की कुंजी स्व-परीक्षा है, निवारक जांच और समयसर निदान

सूरत:

देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ते जा रहे हैं. इनमें से ज्यादातर मरीज 25 से 50 साल के बीच के हैं। प्रमुख चिकित्सक डॉ. इकोस सोनोग्राफी एंड मैमोग्राफी सेंटर, सूरत के संस्थापक और निदेशक धारा शाह, स्व-परीक्षा और निवारक स्क्रीनिंग की वकालत करते हैं। ताकि ब्रेस्ट में किसी भी तरह की गांठ या अनियमितता का शुरुआती दौर में और समय पर पता लगाया जा सके।

स्तन कैंसर के जोखिम और गंभीरता को रोकने के लिए डॉ. शाह ने कहा, "स्तन कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है यदि इसका निदान बहुत ही उन्नत चरण में आगे बढ़ने से पहले किया जाए।" स्तन कैंसर का जल्द से जल्द निदान करने का सबसे विश्वसनीय तरीका है कि हर साल 40 साल की उम्र से और फिर हर साल नियमित रूप से मैमोग्राम करवाएं। स्तन में किसी भी गांठ, निप्पल डिस्चार्ज या त्वचा की मलिनकिरण या शारीरिक असामान्यताओं को देखने के लिए स्व-स्तन परीक्षा और मैमोग्राफी की सिफारिश की जाती है। यदि कोई अनियमितता पाई जाती है, तो वैक्यूम-असिस्टेड ब्रेस्ट बायोप्सी (VABB) जैसी उन्नत डायग्नोस्टिक तकनीकें कहीं से भी सबसे छोटे स्तन ट्यूमर के नमूने ले सकती हैं, जो अक्सर अन्य पारंपरिक बायोप्सी विधियों में छूट जाती है। वीएबीबी का लाभ यह है कि यह स्तन कैंसर होने की संभावना का शीघ्र सटीक निदान कर सकता है जिससे चिकित्सक को रोगी का इलाज करने में मदद मिलती है।"

पिछले दो दशकों में 30-40 वर्ष की आयु की महिलाओं में स्तन कैंसर के मामले दोगुने से अधिक हो गए हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए और आवश्यकता के अनुसार नियमित जांच और स्क्रीनिंग मैमोग्राफी को अपनाना चाहिए। मरीज अक्सर तब अस्पताल पहुंचते हैं जब उनकी हालत खराब हो जाती है या जब कैंसर अपने अंतिम चरण में होता है। ऐसे समय में कैंसरयुक्त स्तन को निकालना आवश्यक हो सकता है। शरीर में कैंसर के देर से फैलने के कारण भारत में मृत्यु दर बहुत अधिक है।

आप में फिर एक बार विद्रोह के आसार, पार्टी के 8 नगर पार्षद गायब, कमिश्नर के समक्ष पेश हुए 14

सूरत।

गुजरात विधानसभा के इस वर्ष के अंत में होनेवाले चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को झटके पे झटके लग रहे हैं। पिछले सप्ताह आम आदमी पार्टी के सूरत के पांच नगर पार्षदों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। भाजपा जॉइन करने वाले 5 नगर पार्षदों की सदस्यता रद्द करने की सूरत नगर निगम के आयुक्त के समक्ष पेशकश करने के लिए 22 नगर पार्षदों का जाना था। लेकिन कमिश्न के समक्ष 22 में से 14 नगर पार्षद ही पहुंचे।

8 विधायकों के गायब रहने के सवाल पर विपक्ष के नेता ने बताया कि किन्हीं वजहों से वह आ नहीं पाए। बता दें कि सूरत नगर निगम के चुनाव में आप ने 27 सीटें जीती थीं। जिसमें 5 नगर पार्षदों ने पिछले सप्ताह भाजपा का दामन थाम लिया। जिसमें आप के दंडक भावना सोलंकी, ज्योतिका लाठिया, मनीषा कुकडिया, ऋचा दुधागरा और विपुल मोवलिया शामिल हैं। आप ने इन नगर पार्षदों को गद्दार घोषित किया था और इनकी सदस्यता रद्द करने के लिए पार्टी के अन्य नगर पार्षद सूरत महानगर पालिका आयुक्त बंछानिधि पानी से लिखित पेशकश के लिए जमा हुए थे। जिसमें 8 पार्षद गायब थे। विपक्ष के नेता धर्मेश भंडेरी ने अनुपस्थित रहने पर पार्षदों से सवाल किया तो अजीबोगरीब जवाब मिले। वोर्ड 4 के पार्षद घनश्याम मकवाणा ने बताया कि उनकी मोटर साइकिल पंचर हो गई थी, जिसकी वजह से वह पहुंच नहीं पाए। यह वही घनश्याम मकवाणा वही हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले दावा किया था कि भाजपा की ओर से उन्हें फोन आया था। ऐसे में घनश्याम मकवाणा की पंचर वाली बात पार्टी को हजम नहीं हो रही। दूसरी और पार्टी ने मनपा आयुक्त से मुलाकात के दौरान अनुपस्थित रहे नगर पार्षदों को लेकर सफाई दी है। पार्टी का कहना है कि कोई पारिवारिक तो कोई सामाजिक कार्यों में व्यस्त होने के कारण मनपा आयुक्त से मुलाकात के वक्त उपस्थित नहीं रहे। एक साथ 8 नगर पार्षदों के अनुपस्थिति को लेकर चर्चा शुरू हो गई कि आप में फिर एक बार टूट हो सकती है।

जर्मन राजदूत वाल्टर जोहान्स लिंडनर ने सूरत जिले के चोर्यासी तालुका के भीमराड गांव के "केएफडब्ल्यू वित्तीय मेट्रो परियोजना" और सूरत के ऐतिहासिक किले का दौरा किया

सूरत।

जर्मन राजदूत वाल्टर जोहान्स लिंडनर ने सूरत जिले के चोर्यासी तालुका के भीमराड गांव में केएफडब्ल्यू वित्तपोषित मेट्रो परियोजना का दौरा किया और ऑपरेशन का निरीक्षण किया। मेट्रो प्रोजेक्ट के निदेशक श्री सहदेव सिंह राठी ने जर्मनी के राजदूत को समग्र कामकाज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सूरत शहर के चोकबाजार में ऐतिहासिक किले का भी दौरा किया और कलेक्टर श्री आयुष ओक और मेयर श्रीमती के साथ बैठक की।

जर्मनी के राजदूत श्री वाल्टर जॉन्स लिंडनर, जो सूरत शहर के पहले अतिथि थे, सूरत की सफाई से प्रभावित हुए। साथ ही मेट्रो परियोजना का संचालन और प्रगति से वाकिफ थे।

इस अवसर पर श्री वाल्टर ने कहा कि सूरत जहां एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहा है, वहीं जर्मन और फ्रांसीसी सरकारों ने शहर की मेट्रो परियोजना के लिए 5,434 करोड़ रुपये की ऋण सहायता प्रदान की है। ताकि भविष्य में शहर के लोगों को सुरक्षित और तेज यात्रा का लाभ मिले। उन्होंने परियोजना को जल्द पूरा करने के लिए वित्त पोषण के साथ-साथ अन्य तकनीकी

सहायता प्रदान करने का वादा किया। राजदूत व अन्य सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर सूरत मेट्रो परियोजना निदेशक सहदेव सिंह राठी ने कहा कि सूरत के लोगों के लिए इस बेहद महत्वपूर्ण परियोजना में जर्मन और फ्रांसीसी सरकारों द्वारा अनुमानित 50 प्रतिशत निवेश किया गया है। मेट्रो प्रोजेक्ट में इतने आधुनिक सिस्टम लाए जा रहे हैं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का काम जल्दी और समय पर पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में 18.6 किमी मेट्रो लाइन परिचालन में है। जिसमें 6 अंडरग्राउंड स्टेशनों, 6.47 किमी टनल और 10 स्टेशनों का संचालन प्रगति पर है। इसके अलावा ड्रीम सिटी में 20 स्टेशनों की लाइन के लिए डिपो का काम भी जोरों पर है। उन्होंने कहा कि दो साल में ऑपरेशन पूरा करने का लक्ष्य है।

कांग्रेस ने रिवरफ्रंट पर बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया उदघाटन

अहमदाबाद।

शहर के साबरमती रिवरफ्रंट पर 27 करोड़ की लागत से बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का महानगर पालिका में विपक्ष के नेता शहजादखान पठान ने आज उदघाटन कर दिया। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पांच महीने पहले ही तैयार हो गया था और उदघाटन की प्रतीक्षा कर रहा था। अहमदाबाद महानगर पालिका ने रु. 27 करोड़ के खर्च से साबरमती रिवरफ्रंट पर स्पोर्ट्स का निर्माण करवाया है। 45 हजार वर्ग मीटर में तैयार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 4 क्रिकेट पिच, 5 टेनिस कोर्ट, 4 मल्टीपल स्पोर्ट्स कोर्ट, स्केटिंग रिंग, स्केट बोर्डिंग, 800 मीटर जॉगिंग ट्रेक, इंटरनल रोड और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के मुताबिक करोड़ों की लागत से तैयार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स उदघाटन के अभाव में पिछले 5 महीने से धूल चाट रहा था। अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष के नेता शहजादखान पठान ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का न सिर्फ उदघाटन किया, बल्कि उनके साथ आए युवाकों के साथ वहां एक्सरसाइज भी की। मीडिया से बातचीत में पठान ने कहा कि करोड़ों रुपए के खर्च से स्पोर्ट्स

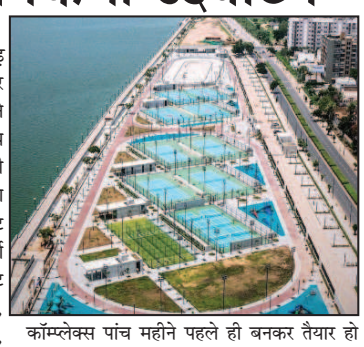

कॉम्प्लेक्स पांच महीने पहले ही बनकर तैयार हो गया था। लेकिन भाजपा के वीआईपी नेताओं के पास समय नहीं होने के कारण स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स धूल चाट रहा था। सरकार फिट इंडिया की बड़ी बड़ी बातें करती है, लेकिन फिट रहने के लिए तैयार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण का समय नहीं है। शहजाद पठान ने कहा कि भाजपा नेताओं के समय नहीं होने के कारण आज युवाओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का मैंने आज उदघाटन कर दिया।

एयरटेल ने लॉन्च किया एक्सस्ट्रीम प्रीमियम - भारत में अबतक के सबसे बड़े मनोरंजन कंटेंट का संग्रह एक ही ऐप में

नई दिल्ली । भारत के प्रमुख कम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर, भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज अपने डिजिटल मनोरंजन प्लेटफॉर्म - एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम प्लेटफॉर्म के लॉन्च के साथ भारत में वीडियो ओटीटी इकोसिस्टम को उपभोक्ताओं के लिए और अधिक विकल्प देकर, उसे लोकतांत्रिक बनाने और विकसित करने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई है। .

मीडिया पार्टनर्स एशिया के अनुसार, 2025 तक, भारत का ओटीटी सब्सक्रिप्शन बाजार मौजूदा 500 मिलियन से बढ़कर 2 बिलियन हो जाने की उम्मीद है। यह वृद्धि सब्सक्रिप्शन में लगभग 165 मिलियन के साथ तीन गुना होगी। इन नए सब्सक्रिप्शन का एक बड़ा हिस्सा टियर 2/3 बाजारों के नए उपयोगकर्ताओं से आएगा। कई उच्च गुणवत्ता वाले कंटेंट हाउस ने इस अवसर का लाभ उठाने के लिए अपने ओटीटी ऐप लॉन्च किए हैं, लेकिन वे मूल्य निर्धारण और वितरण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

वर्तमान में ग्राहकों के लिए, चुनने के लिए दर्जनों ओटीटी मनोरंजन ऐप विकल्प उपलब्ध हैं; जो उन्हें लेटेस्ट कंटेंट ऑफर कर रहे हैं। हालांकि इसके चलते ग्राहकों को एक साथ कई ऐप्स और सब्सक्रिप्शन मैनेज करने पड़ते हैं।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम का लॉन्च, भारत के डिजिटली जुड़े ग्राहकों की बढ़ती तादाद के लिए वीडियो स्ट्रीमिंग मनोरंजन की रोमांचक दुनिया में नए द्वार खोलता है, इसके नवीनतम लॉन्च के साथ ग्राहक जो मांग करते हैं, वह उसकी पूर्ति करता है।

सर्वप्रथम, यह एक ही ऐप 15 भारतीय और वैश्विक वीडियो ओटीटी मनोरंजन सामग्री एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है। एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम पर ग्राहकों को सोनी लिव, इरोज नाउ, लायंसगेट प्ले, होइचोई, मनोरमामैक्स, शेमारू, अल्ट्रा, हंगामाप्ले, एपीकॉन, डॉक्यूबे, डिवोटीवी, क्लिक, नामाफ्लिक्स, डॉलीवुड, शॉर्ट्स टीवी से 10,500 से अधिक फिल्मों और शो के साथ-साथ लाइव चैनलों के साथ बढ़े मनोरंजन कंटेंट कलेक्शन तक पहुंच प्राप्त होगी।

दूसरे, यह प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए सिंगल ऐप, सिंगल मेम्बरशिप, सिंगल साइन-इन, एकीकृत कंटेन्ट सर्च खोज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित अपनी व्यक्तिगत पसंद के कंटेंट को एक समूह में एक जगह एकत्र करने के साथ एक शानदार अनुभव प्रदान करता है। उपयोगकर्ता ऐप या वेब के माध्यम से मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप पर एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम और एक्सस्ट्रीम सेट-टॉप-बॉक्स के माध्यम से टीवी पर का उपयोग कर सकते हैं।

धी रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने आधुनिक टेक्नोलॉजी के उपयोग से बनाया ऑडियो कंट्रोल कार

सूरत भूमि, सूरत ।

सूरत के अडाजन में स्थित धी रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल सीबीएसई के विद्यार्थियों द्वारा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्राप्त की सिद्धि। कक्षा 10 में पढ़ने वाले विद्यार्थी शुभ तेजानी और मिथिल पटेल द्वारा फिर से साबित किया गया उन्होंने आधुनिक टेक्नोलॉजी के प्रयोग से ऑडियो कंट्रोल कार बनाई।

तमाम क्षेत्रों में उत्तम परिणाम देने वाली फिर चाहे वह विद्या के अभ्यास का हो, अभ्यासक्रम का हो या खेलकूद का हो धी रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदान स्पष्ट दे रहे हैं। इस विद्यालय के कक्षा 10 के सीबीएसई में अभ्यास करने वाले विद्यार्थी शुभ तेजानी और मिथिल पटेल द्वारा इस बात को एक बार फिर सिद्ध किया। जिन्होंने आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करके ऑडियो कंट्रोल कार बनाई है जिसमें कोई भी व्यक्ति अपने स्वर नियंत्रित आवाज से पूरी कार का संचालन कर सकता है। जो आज के समय में एक श्रेष्ठ उपलब्धि है। यह कार बनाने के लिए उनकी अपनी स्वप्रेरणा और विद्यालय के विज्ञान प्रवाह के अनुपम सर और उनकी टीम के पिछले 6 महीने के लगातार मार्गदर्शन से इस श्रेष्ठ टेक्नोलॉजी का आविष्कार किया है। इसके बदले विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर किशनकुमार मांगूकिया साथ ही विद्यालय के आचार्य तुषार परमार द्वारा विद्यालय के कैंपस डायरेक्टर आशीष वाघानी द्वारा विद्यार्थी शुभ तेजानी और मिथिल पटेल को अभिनंदन दिया गया। उनकी मेहनत और समर्पण का फल है। विद्यार्थी शुभ तेजानी और मिथिल पटेल को भविष्य में ऐसी ही सिद्धियां प्राप्त करने की शुभेच्छा दी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)